E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -92 | प्रयागराज, मंगलवार 17 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

इजराइल का अब ईरान के विदेश मंत्रालय पर अटैक,अब तक 224 की मौत, ईरान का बैलिस्टिक मिसाइलों से पलटवार

नयी दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी

लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था।ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है।ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 67 घायल हुए। अब तक इजराइल में ईरानी हमलों में 19 लोग मारे गए हैं, जबकि 450 से ज्यादा घायल हुए हैं। इजराइल-ईरान संघर्ष के 72 घंटे, 10 मुख्य बिंदु इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया। ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला, इजराइली ऑपरेशन में ईरान के 14 वैज्ञानिक, 20 से ज्यादा मिलिट्री कमांडर मारे गए, ईरान ने पलटवार किया, इसे 'ट्रू प्रॉमिस थ्री' नाम दिया। सैकड़ों मिसाइलें दागीं, ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई पर हमले की प्लानिंग पर ट्रम्प के वीटो लगाने का दावा, इजराइली राष्ट्रपति को सुरक्षित ठिकाने पर शिफ्ट किया गया, ईरान ने इजराइल के तीन एफ-35 विमान गिराने का दावा किया, इजराइल में 14 नागरिकों की मौत। जबकि ईरान में 224 लोग मारे गए, ट्रम्प ने दावा किया इजराइल और ईरान में जल्द समझौता होगा, इजराइल का ईरान में दुनिया की सबसे बड़ी पार्स गैस फील्ड पर हमला, इजराइल ने ईरान के विदेश और रक्षा मंत्रालय पर हमला किया, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बताया कि उन्होंने रविवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ईरान के मामले में बातचीत और समझदारी से हल निकालना चाहिए। हालांकि उन्होंने सीजफायर की अपील नहीं की। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि वह नेतन्याहू से इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास किसी भी हाल में परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही उन्होंने पहले गाजा में इजराइली हमलों की आलोचना की थी, लेकिन ईरान अगर अंतरराष्ट्रीय परमाणु नियमों का पालन नहीं कर रहा है, तो इजराइल को अपनी रक्षा करने का हक है। ईयू की अध्यक्ष लेयन इन दिनों कनाडा में जी7 देशों की बैठक में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बैठक में इजराइल-ईरान तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने जो ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें बनाई हैं, वही अब यूक्रेन और इजराइल दोनों जगहों पर हमलों में इस्तेमाल हो रही हैं। इसलिए इन खतरों का मिलकर सामना करना होगा।ईरान की पुलिस ने कहा है कि उन्होंने अलग-अलग अभियानों में इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के दो एजेंटों को पकड़ा है। उनके पास से बड़ी मात्रा में विस्फोटक जब्त किए गए हैं।

पुलिस प्रवक्ता सईद मोंतेजर

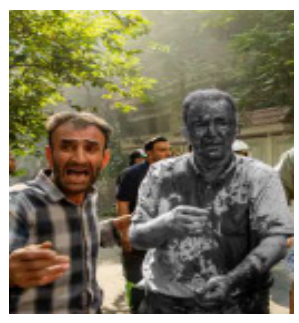

अल-महदी ने बताया कि इन दोनों एजेंटों को तेहरान के पास फशाफुयेह इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 200 किलो से ज्यादा विस्फोटक, 23 ड्रोन, लॉन्चर और अन्य सैन्य उपकरण बरामद हुए हैं। एक निसान पिकअप ट्रक भी जब्त किया गया है।ईरान का कहना है कि इजराइली एजेंटों ने ईरान के अंदर गड़बड़ी फैलाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। रविवार को अल्बोरज प्रांत में भी 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन पर भी मोसाद संग जुड़े होने का आरोप है। इससे पहले शनिवार को ईरान ने यज्द प्रांत में 5 लोगों को गिरफ्तार किया था। इन पर इजराइल का साथ देने और तस्वीरें लेने का आरोप है।ईरान ने सोमवार सुबह इजराइल के पेताह

तिकवा पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 घायल हैं। इसके साथ इजराइल में मरने वालों का आंकड़ा 19 हो गया है।बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे की शादी ईरान के मिसाइल हमलों को देखते हुए टाल दी गई है। टाइम्स ऑफ इजराइल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे अवनेर नेतन्याहू सोमवार को अमित यार्डेनी से शादी करने वाले थे।ईरान ने सोमवार सुबह भी इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमले करना जारी रखा है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल इजराइल में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमले में 12 लोग घायल हुए हैं। वहीं, हाइफा में भी ईरानी मिसाइल गिरने की सूचना हैअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से ईरान और इजराइल के संघर्षविराम पर बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर हो सकता है। कनाडा में जी7 समिट के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से कहा हम इजराइल का सपोर्ट करते हैं। नेतन्याहू और मेरी बहुत अच्छी बनती है। हम एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं। जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या उन्होंने इजराइल को ईरान पर हमले रोकने के लिए कहा है, तो उन्होंने इस पर कोई भी जवाब देने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान-नॉर्थ कोरिया समेत 10 देशों के पास परमाणु हथियार अब ईरान बना रहा, तो मरने-मारने पर क्यों उतारू है इजराइल

नयी दिल्ली। 13 जून की सुबह इजराइल की सटीक स्ट्राइक में ईरान के टॉप-6 मिलिट्री जनरल्स और कम से कम 5 न्यूक्लियर साइंटिस्ट मारे गए। ईरान की सबसे बड़ी नतांज परमाणु लैबोरेटरी को भी काफी नुकसान पहुंचा। इजराइल का कहना है कि वो ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ऐसे हमले करता रहेगा। दरअसल दिसंबर 1938। जर्मनी की एक लैब में वैज्ञानिक ओट्टो हान और फ्रिट्ज स्ट्रॉसमैन ने यूरेनियम-235 के परमाणु पर न्यूट्रॉन की तेज बौछार की। इससे यूरेनियम का परमाणु अचानक दो हिस्सों में टूट गया और उससे भारी मात्रा में ऊर्जा निकली। इस प्रयोग को नाभिकीय विखंडन कहा गया। यहूदी साइंटिस्ट लीजा माइटनर ने कहा कि इसकी चेन रिएक्शन कराएं तो भयंकर एनर्जी रिलीज होगी। अमेरिकी वैज्ञानिकों को लगा कि नाजी जर्मनी के हाथों में एक बड़ा हथियार आ गया है। अमेरिका ने भी जून 1942 में मैनहैटन में एक ऊंची इमारत की 18वीं मंजिल पर गोपनीय तरीके से एटम बम बनाने की तैयारी शुरू कर दी। अमेरिकी ब्रिगेडियर जनरल लेस्ली ग्रोव्स और साइंटिस्ट जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर की अगुआई में 'मैनहैटन प्रोजेक्ट' शुरू हुआ।

इसके लिए दो महीने के अंदर 100 टन यूरेनियम जुटाया गया। बम की डिजाइन पर काम करने के लिए ओपेनहाइमर ने न्यू मेक्सिको के लॉस एलामोस के बीहड़ में लैबोरेटरी बनाई। बम बनाने के लिए यूरेनियम-235 को 90इ तक संवर्धित यानी प्योर करने का काम टेनेसी के ओक रिज में हुआ। वहीं वॉशिंगटन के हैनफोर्ड में प्लूटोनियम-239 का उत्पादन हुआ। दो साल बाद जुलाई 1945 में यूरेनियम और प्लूटोनियम के दो बम बनकर तैयार हो चुके थे। 16 जुलाई 1945 को ट्रिनिटी में अमेरिका ने पहले बम का सफल परीक्षण किया।रूजवेल्ट की अचानक मौत के बाद हैरी ट्रूमैन अमेरिकी प्रेसिडेंट बने थे। उनके ग्रीन सिग्नल के बाद 6 अगस्त को जापान के हिरोशिमा पर यूरेनियम बम 'लिटिल बॉय' और 9 अगस्त को नागासाकी पर प्लूटोनियम बम 'फैटमैन' दागा गया। दोनों धमाकों में करीब डेढ़ लाख लोग तुरंत मारे गए। 1952 में अमेरिका ने न्यूक्लियर फ्यूजन तकनीक विकसित करके हाइड्रोजन बम भी बना लिया। ये नागासाकी पर गिरे

बम से 450 गुना ज्यादा ताकतवर था।चीन ने 1957 में सोवियत रूस की मदद से न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी पर काम शुरू किया था। चीन के पास अपना यूरेनियम का भंडार था। 1960 में उसे सोवियत से तकनीकी मदद मिलनी बंद हो गई तो उसने कियान सानकियांग जैसे अपने साइंटिस्ट्स की अगुआई में यूरेनियम का संवर्धन किया और 16 अक्टूबर 1964 को एटम बम की सफल टेस्टिंग की। 17 जून 1967 को चीन ने हाइड्रोजन बम भी बना लिया। न्यूक्लियर वेपन बनाने वाला छठा देश बना इजराइल। 1950 के दशक में इजराइल ने फ्रांस की मदद से प्लूटोनियम संवर्धन के लिए न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर शुरू किया। 1963 में अमेरिकी प्रेसिडेंट जॉन एफ केनेडी के दबाव में इजराइल ने नेगेव के रेगिस्तान में बने इस कथित रिसर्च सेंटर का इंस्पेक्शन करवाया, लेकिन वो अंडरग्राउंड फैसिलिटी छिपा ली, जहां बम बनाने का काम चल रहा था। 1967 तक उसने भी परमाणु बम बना लिया। हालांकि, इजराइल ने खुद कभी भी ये नहीं माना कि उसके पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन 1986 में इजराइल के वैज्ञानिक मोर्दखाई वानुनु ने ब्रिटिश अखबार 'द संडे टाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में तस्वीरें और डॉक्यूमेंट्स दिखाकर खुलासा कर दिया कि इजराइल के पास 100 से 200 परमाणु बम हैं। वानुनु 1976 से 1985 तक नेगेव रिसर्च सेंटर में बतौर टेक्नीशियन काम करते थे। भारत का परमाणु प्रोग्राम होमी जहांगीर भाभा की अगुआई में शुरू हुआ था। 1956 में भारत को कनाडा से मिले साइरस रिएक्टर में प्लूटोनियम का उत्पादन शुरू हुआ। भारत का न्यूक्लियर प्रोग्राम ऊर्जा के उद्देश्यों के लिए था, लेकिन 1962 में चीन से जंग हारने के बाद भारत ने एटम बम बनाने की कोशिश शुरू कर दी। 1965 में भाभा ने ऑल इंडिया रेडियो पर कहा था कि अगर उन्हें इजाजत मिले, तो वो 18 महीने में एटम बम बना देंगे। 24 जनवरी 1966 को एक यात्री विमान हादसे में भाभा सहित प्लेन में सवार सभी 111 लोगों की मौत हो गई। सीआईए पर आरोप लगा कि उसने भारत का न्यूक्लियर वेपन प्रोग्राम रोकने के लिए भाभा की हत्या कराई। 18 मई 1974 को भारत ने प्लूटोनियम बम का सफल परमाणु परीक्षण किया। इसे भारत ने शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण कहा था, लेकिन पूरी दुनिया में भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम की निंदा हुई। कनाडा ने न्यूक्लियर समझौता रद्द कर दिया। भारत पर कई प्रतिबंध लगाए गए। इसके बाद भारत को परमाणु बम बनाने में दो दशक लग गए। 1996 में कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट बैन ट्रीटी (सीटीबीटी) पर साइन करने का दबाव डाला गया, लेकिन भारत ने मना कर दिया। दो साल बाद 11 और 13 मई 1998 को भारत ने पोकरण में 5 सफल परमाणु बम परीक्षण किए। इनमें से एक हाइड्रोजन बम भी था।महज 100-200 परमाणु बम ही दुनिया तबाह कर सकते हैं। इनका इस्तेमाल हुआ तो 'न्यूक्लियर विंटर' शुरू हो सकता है, यानी इतना धुआं और राख वातावरण में फैल जाएगी कि सूरज की रोशनी धरती तक नहीं पहुंचेगी। इन्हीं खतरों की वजह से 1960 के बाद दुनिया भर के देशों को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए कोशिशें शुरू हुईं। 1963 में पार्शियल टेस्ट बैन ट्रीटी (पीटीबीटी) पर अमेरिका, सोवियत और यूके ने साइन किए थे, तय हुआ कि अंडरग्राउंड जगहों के अलावा कहीं भी टेस्टिंग नहीं होगी। हालांकि, टेस्टिंग नहीं रुकी।

1970 में लागू हुई नॉन प्रॉलिफरेशन ट्रीटी को परमाणु हथियारों पर रोक के लिए सबसे प्रभावी संधि माना जा, ईरान के पास यूरेनियम की प्योरिटी बढ़ाने वाले दो न्यूक्लियर प्लांट हैं- नतांज और फोर्डो। कई प्रतिबंधों के बावजूद ईरान इनमें यूरेनियम संवर्धन कर रहा है। इजराइल, अमेरिका और कई पश्चिमी देशों का दावा है कि ईरान ने 87फीसदी तक यूरेनियम शुद्ध कर लिया है। इससे आधा दर्जन परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। साथ ही ईरान अब ताकतवर परमाणु बम बनाने के लिए जरूरी 90प्रतिशत प्योर यूरेनियम हासिल करने के काफी करीब है। यूनाइटेड नेशन्स की वॉच डॉग मानी जाने वाली संस्था इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी, आईएइए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने कहा था कि ये कोई सीक्रेट नहीं है कि ईरान के नेता परमाणु हथियार विकसित करना चाहते हैं। वह कुछ हफ्ते या महीने में परमाणु बम तैयार कर सकता है।इजराइल का कहाना है कि ईरान ने उसे नेस्तनाबूद करने की कसम खाई है। अगर ईरान के पास परमाणु शक्ति आई, तो वो सबसे पहला इस्तेमाल इजराइल पर ही करेगा। इजराइल का आरोप है कि ईरान उसके खिलाफ हमास, हिजबुल्लाह और यमन के हूतियों को मदद देता है। ये सभी इजराइल और अमेरिका पर मिसाइल अटैक करते रहे हैं। कल्पना करिए, अगर इजराइल-हमास जंग के दौरान ईरान के पास न्यूक्लियर मिसाइल्स होतीं, तो इजराइल के लिए ये जंग लड़ना बेहद मुश्किल होता। एक वजह ये भी है कि ईरान ने 1968 में एनपीटी पर साइन किए थे। इसके बावजूद वह परमाणु बम बनाना चाहता है। इसीलिए अमेरिका नए सिरे से ईरान के साथ एक समझौता करना चाहता है।

अहमदाबाद विमान हादसा- पूर्व सीएम रूपाणी का अंतिम संस्कार आज, 92 शवों की पहचान हुई, 47 परिजन को सौंपे गए

नयी दिल्ली। हादसे को 4 दिन बीत चुके हैं। इन चार दिनों में 250 शवों का डीएनए सैंपल लिया गया है। अब तक 92 डीएनए मैच हो गए हैं, जिनमें से 47 शव सौंप दिए गए हैं। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है।रविवार को गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई। उनका आज चार्टर्ड प्लेन से राजकोट ले जाया जाएगा। यहां दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार होगा। गृह मंत्री अमित शाह, रूपाणी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। कल पीएम मोदी के चीफ सेक्रेटरी पीके मिश्रा ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ रिव्यू मीटिंग की। दरअसल, 12 जून को एअर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली फ्लाइट एआई-171 (787-8 बोइंग ड्रीमलाइनर) उड़ान के कुछ देर बाद ही क्रैश हुई थी। विमान बीजे मेडिकल कॉलेज ऐंड सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की बिल्डिंग से टकरा गया था। इस हादसे में प्लेन में सवार 241 लोग (229 यात्री (एक जीवित) और 10 केबिन क्रू, 2 पायलट), हॉस्टल बिल्डिंग और बाकी 34 लोगों को मिलाकर 275 की मौत हुई है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, कुल मौत का अंतिम आंकड़ा सभी डीएनए टेस्ट होने के बाद साफ होगा।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक

नयी दिल्ली। केदारनाथ के पास

गौरीकुंड में हेलिकॉप्टर क्रैश में पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। इसमें 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। शुरुआती जांच में पता चला कि घाटी में धुंध थी और विजिबिलिटी कम थी, फिर भी हेलिकॉप्टर उड़ाया गया। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। पैदल यात्रा भी स्थगितः जंगलचट्टी के पास गधेरे में मलबा पत्थर गिरने से केदारनाथ धाम जाने वाला मार्ग टूट गया है। इसके बाद केदारनाथ पैदल यात्रा अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। रुद्रप्रयाग पुलिस ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे जहां हो उसके पास सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

पेरू की राजधानी लीमा में 6.1 तीव्रता का भूकंप,1 की मौत, 5 घायल

नयी दिल्ली। पेरू की राजधानी लीमा में रविवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप सुबह 11:35 बजे प्रशांत महासागर में आया, जिसका सेंटर लीमा में था। इस भूकंप के बाद अब तक सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई है। भूकंप के बाद राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते स्थिति का जायजा लेने के लिए लीमा जाएंगी। पेरू में अब तक का सबसे खतरनाक भूकंप 1970 में आया था, इसमें लगभग 70,000 लोगों की मौत हो गई थी।

मिला कोविड-19 का नया वेरिएंटःजानें यह कितना खतरनाक

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। इस बार वजह कोविड-19 का एक नया वेरिएंट एक्सएफजी है। भारत में हाल ही में इसकी पुष्टि हुई है और अब तक इसके 206 मामले सामने आ चुके हैं। इसके सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र से मिले हैं। देशभर में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 7400 पहुंच गई है। केरल में सबसे ज्यादा 2109 एक्टिव केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1437, दिल्ली में 672 और पश्चिम बंगाल में 747 पॉजिटिव मरीज हैं। एक्सएफजी वेरिएंट के लक्षण आमतौर पर सामान्य सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसे होते हैं। हालांकि, कुछ खास कंडीशंस में गंभीर भी हो सकता है।एक्सएफजी कोविड-19 वायरस का एक रिकॉम्बिनेंट वेरिएंट है। इसका मतलब है कि यह वायरस के 2 पुराने वेरिएंट्स, एलएफ.7 और एलपी.8.1.2 के आपस में मिल जाने से बना है। जब कोई व्यक्ति एक

साथ दो अलग-अलग वेरिएंट्स से संक्रमित होता है, तो वायरस उनके जीन को आपस में मिक्स कर सकता है। उसी से ऐसे वेरिएंट बनते हैं। एक्सएफजी, ओमिक्रॉन फैमिली का ही हिस्सा है, जो 2021 के अंत से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा फैलने वाला वेरिएंट रहा है। इसे पहली बार कनाडा में पहचाना गया था। आईएनएसएसीओजी पूरे देश में जीनोमिक वेरिएंट्स पर नजर रखने वाली मल्टी लैबोरेटरी, मल्टी एजेंसी है। यह कोविड वेरिएंट्स पर नजर रखती है। इसके मुताबिक अब तक भारत में एक्सएफजी के 163 मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं,फिलहाल नहीं, इस वेरिएंट से अब तक न तो ज्यादा गंभीर बीमारी हुई है और न ही मौतों की संख्या में इजाफा देखा गया है। ज्यादातर लोगों में इसके लक्षण हल्के सर्दी-जुकाम जैसे ही लक्षण हैं।इसके लक्षण आमतौर पर फ्लू या सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे ही होते हैं। इससे संक्रमित व्यक्ति को लगातार खांसी हो सकती है, नाक बहने या बंद रहने की परेशानी हो सकती है।

माफिया अतीक के करीबियों पर कसा शिकंजा,पीडीए ने भू माफिया के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

नयी दिल्ली। रविवार को प्रयागराज

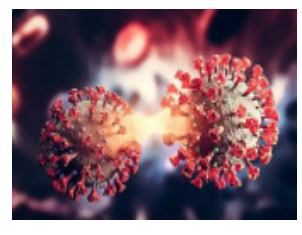

विकास प्राधिकरण की तरफ अतीक के करीबियों के खिलाफ अवैध प्लाटिंग को लेकर छह अलग-अलग एफआईआर दर्ज करायी गई है। इसमें अतीक के रिश्तेदार भी शामिल हैं।प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से रविवार को अवैध प्लाटिंग को लेकर माफिया अतीक अहमद के साढू इमरान और उसके भाई जीशान समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ अवैध प्लाटिंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पीडीए के भवन निरीक्षक कुंवर आनंद की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार आरोपियों की तरफ से रोक के बाद भी लगातार न्यू एयरपोर्ट थाना क्षेत्र अंतर्गत जानू, सूरज, विजय व अन्य की ओर से बौद्ध डिग्री कालेज के पूरब में ससुर खदेरी, नदी के पास अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही है। ऐसे में उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। एक अन्य एफआईआर में पीडीए की तरफ से अतीक के साढू इमरान जान व अन्य की ओर से भीटी उपरहार में कराए जा रहे अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करायी है। इसमें पीपल गांव, गौसपुर, समेत अन्य इलाकों में रोक के बाद भी लगातार अवैध तरीके से किए जा रहे अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिए कदम उठाया गया है। इसके पहले भी प्राधिकरण की ओर से अतीक और उसके भाई अशरफ के रिश्तेदारों, करीबियों और व्यापार के साझेदारों के खिलाफ कई बार कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस प्रशासन भी ऐसे लोगों को लगातार चिन्हित कर रही है। उसके बाद भी अतीक के रसूख के दम पर उसके रिश्तेदार और करीबी अवैध रूप से उसका साम्राज्य चला रहे हैं।

दिन में तपिश, शाम होते ही चलने लगी आंधीःप्रयागराज में पूरे दिन धूप से लोग हुए परेशान

प्रयागराज। प्रयागराज में पिछले 15 दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी का सितम लगातार बना हुआ है। तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना है। हालत यह है शहर के ज्यादातर बाजार दोपहर में लगभग सन्नाटा हो जाते हैं। सड़कों पर लोगों के साथ ही वाहनों की संख्या भी काफी कम हो जाती है।

तेज धूप लोगों के लिए आग के थपेड़ों से कम नहीं होती है। बाजारों में भी पिछले कई दिनों से लगातार दोपहर में सन्नाटे जैसे हालत बने हुए हैं। शहरी भी खुद को घरों में ही कैद रखने में ज्यादा बेहतर महसूस कर रहे हैं। रविवार को भी प्रयागराज में लगभग ऐसा ही नजारा दोपहर तक दिखाई दिया। हालांकि शाम पांच बजे के बाद अचानक मौसम में बदलाव हुआ और तेज हवाएं चलने लगी। जिससे लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली।पिछले कई दिनों से लगातार भीषण गर्मी का दंश झेल रहे प्रयागराज वालों को शनिवार की देर रात हल्की बारिश से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सुबह से ही तेज धूप लोगों के लिए अभिशाप बन गई। दोपहर 12 बजे तक भीषण गर्मी, गर्म हवाएं और उमस के बीच लू के थपेड़े लोगों को सजा जैसे लग रहे थे। हालांकि शनिवार की दोपहर जहां तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था, उस हिसाब से रविवार को थोड़ी राहत लोगों को जरूर लगी। उसके बाद भी शहर के सबसे पॉश और व्यस्त इलाके सिविल लाइंस के सुभाष चौराहा पर भी सड़के लगभग खाली रही। शाम चार बजे के बाद भी पहले की तरह रौनक नहीं दिखी। अमूमन रविवार को सिविल लाइंस अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक गुलजार रहता हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं दिखा।मौसम विज्ञानी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र राय ने बताया कि अभी लोगों को भीषण गर्मी का असर इसी प्रकार झेलना पड़ेगा।

प्रयागराज एसटीएफ़ ने झांसी में पकड़ा 2.31 क्विंटल गांजा,छत्तीसगढ़ से तस्करी कर ला रहे थे,दो आरोपी अरेस्ट

प्रयागराज। एसटीएफ ने झांसी में मोठ बाईपास पर एक बड़ी कार्रवाई की है। केसर वाटिका के पास से दो अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 2.31 कुंतल गांजा बरामद हुआ है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 85 लाख रुपये आंकी गई है।पकड़े गए तस्करों में बिहार के दरभंगा निवासी जय प्रकाश पासवान और उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी राहुल कुमार शामिल हैं। एसटीएफ ने इनसे एक आइसर डीसीएम ट्रक, एक मोबाइल फोन और 330 रुपये नकद बरामद किए हैं।एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि रायपुर से गांजे की खेप एक डीसीएम ट्रक में बिजनौर लाई जा रही है। टीम ने मोठ बाईपास पर ट्रक को रोका। तलाशी में मछली दाने की बोरियों के नीचे से गांजा बरामद हुआ।पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपी एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं। यह गिरोह रायपुर से गांजा लाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में बेचता है। गिरोह का सरगना प्रतापगढ़ का पवन पांडेय है। बरेली का यूसुफ अंसारी भी इस गिरोह का सक्रिय सदस्य है।आरोपियों पर थाना मोठ में उइए एक्ट की धारा 8/20/29 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। स्थानीय पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रयागराज में ठेकेदार की बाइक से 3.80 लाख उड़ाएःस्टेट बैंक से रुपए निकाले, कौंधियारा ब्लॉक में बीडीओ से मिलने गए तभी वारदात

प्रयागराज। प्रयागराज के कौंधियारा में एक ठेकेदार की बाइक से 3 लाख 80 हजार रुपए और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए। पीड़ित अंबिकेश तिवारी उर्फ मुन्नन पीडब्ल्यूडी विभाग में ठेकेदार हैं और बेनीपुर गांव के रहने वाले हैं। अंबिकेश ने करमा स्थित एसबीआई बैंक से पैसे निकाले। इसके बाद वह कौंधियारा ब्लॉक में बीडीओ से मिलने गए। उन्होंने अपनी बाइक की डिग्गी में पैसे और दस्तावेज रखे थे। इनमें 2.90 लाख की एफडी और अन्य महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र भी शामिल थे। पीड़ित का कहना है कि बैंक से पैसे निकालने के बाद से ही कोई उनकी बाइक का पीछा कर रहा था। कौंधियारा ब्लॉक में सुनसान जगह देखकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस कई जगहों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। अभी तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिला है। प्रयागराज के यमुनापार इलाके में इन दिनों टप्पेबाजों ने आतंक फैला रखा है। कार के आगे रुपये फेंक ठगी कर चुके हैं। इसी प्रकार कार पंचर कर रुपये उड़ाए हैं। बाइक से भी कई बार सामान चोरी किए गए।

कई रूटों पर शुरू इलेक्ट्रिक अटल बस सेवा,चार्जिंग स्टेशनों की वजह से हुई दिक्कत, कई रूटों पर यात्रियों को अब मिली राहत

प्रयागराज। प्रयागराज के आसपास के जिलों से जुड़ी इलेक्ट्रिक अटल बस सेवा फिर से शुरू होने लगी है। सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, ऊंचाहार, सैनी, गोपीगंज, हंडिया, कुंडा, लालगोपालगंज, खागा, मूरतगंज आदि रूटों पर बस सेवा फिर से बहाल हुई है। इससे यात्रियों को राहत मिलने लगी है।असल में बसों के चार्ज न हो पाने की वजह से इस सेवा में दिक्कत आ रही थी। महाकुंभ के दौरान नेहरू पार्क में अस्थायी चार्जिंग स्टेशन बनाया गया था। यहां इन बसों को चार्ज किया जाता था। बाद में चार्किंग स्टेशनों ने काम करना बंद कर दिया। ऐसे में बसों के संचालन पर असर पड़ा।प्रयाग डिपो वर्कशाप में चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित है। निर्माण कार्य भी चल रहा है। अब काम पूरा होने की प्रतीक्षा है। ऐसे में विभाग ने अस्थाई चार्जिंग स्टेशनों के जरिये बसों की सेवा की शुरुआत की है। 24 बसों का संचालन शहर से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तक वाले स्थानों के लिए शुरू हो गया है।

योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के क्रम में योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ गुरु गोविंद सिंह पर्यावरणीय उद्यान में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ,परियोजना निदेशक सतीश मिश्रा ,जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय सिंह, डॉ रवि प्रकाश सोनकर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक अमित एवम राहुल जिला प्रचारक बृजेश द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मास्टर योग ट्रेनर डॉ रवि प्रताप सिंह ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। डॉ रवि प्रकाश सोनकर ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि 21 जून के सफल कार्यक्रम क्रियान्वयन के लिए अलग अलग कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे। जिनमें योग प्रतियोगिताएं, महिलाओं, कुष्ठ रोगी,बंदी, वृद्ध जन आदि के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे एवं आयुष योग ग्राम दिवस के रूप में समस्त ग्राम पंचायतों में योग शिविर और चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के उपरांत उद्यान परिसर में समस्त अतिथियों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोघ्न सोनकर,भारत विकास परिषद से राजाराम मौर्य ,वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति रायबरेली के अध्यक्ष युगल किशोर तिवारी,परशुराम योगाचार्य गायत्री परिवार, पतंजलि योग समिति के राम शरण ,डॉ आर पी सिंह हार्टफुल इंस्टिट्यूट,संदीप जैन एवम महेंद्र अग्रवाल व्यापार मंडल आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज में 12 साल का बच्चा लापता,बकरी चराने गया था,फोन पर बोला- बड़े पापा ने दी जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। प्रयागराज के हडिया थाना क्षेत्र में एक 12 वर्षीय बच्चा लापता हो गया है। अमोरा गांव का रहने वाला यह बच्चा कक्षा 2 का छात्र है। रविवार सुबह वह बकरी चराने के लिए घर से निकला था। बकरी उसके बड़े पापा कुंवर बहादुर के खेत में चली गई, जो घर से मात्र 200 मीटर दूर है। खेत में बड़े पिता की बेटी ने बच्चे को पीट दिया। इसके बाद वह घर लौटा और बकरी बांधकर अपने पिता को फोन पर सारी बात बताई। उसने बताया कि बड़े पिता कुंवर बहादुर ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। घटना के समय बच्चे की मां अपने मायके में थी। वह अपनी दो बहनों के साथ घर पर अकेला था। उसके पिता धनीराम राजगिरी का काम करते हैं और घटना के वक्त काम पर गए हुए थे। धनीराम ने हडिया थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि उनके भाई से पुरानी रंजिश चल रही है और बच्चे के लापता होने में उनका हाथ हो सकता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में हंडिया इंस्पेक्टर नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि मामला संज्ञान में है तहरीर मिली है केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

विमान हादसे में मृतकों को न्यायिक श्रद्धांजलिःइलाहाबाद हाईकोर्ट और लखनऊ पीठ में दो मिनट का मौन

प्रयागराज। अहमदाबाद में हाल ही में हुई दर्दनाक विमान दुर्घटनाहै में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार, 16 जून 2025 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा इसकी लखनऊ पीठ में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम माननीय मुख्य न्यायाधीश के आदेश के तहत आयोजित हुआ, जिसमें न्यायालय से जुड़े सभी वर्गों ने गहरी संवेदना व्यक्त की।प्रातः 10:30 बजे इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ पीठ दोनों ही स्थानों पर दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पूर्व, मौन शुरू होने का संकेत देने के लिए 10:29 बजे से 10:30 बजे तक सायरन बजाया गया, जिसके साथ ही गया। जैसे ही सायरन समाप्त हुआ, न्यायालय परिसर में उपस्थित सभी माननीय न्यायाधीश, अधिवक्ता, रजिस्ट्री के सदस्य, कर्मचारी और अन्य उपस्थित व्यक्तियों ने अपनी सीटों से खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।'ऑल क्लियर सायरन' बजाया गया यह मौन उन निर्दोष नागरिकों को समर्पित था, जिन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में अपनी जान गंवाई। न्यायालय परिसर में माहौल पूरी तरह से गंभीर और भावुक रहा। मौन के दौरान न्यायिक कार्यों को भी स्थगित रखा गया। इसके बाद 10:32 बजे से 10:33 बजे तक 'ऑल क्लियर सायरन' बजाया श्रद्धांजलि कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ।माननीय मुख्य न्यायाधीश की इस पहल को संवेदनशीलता और मानवता की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन ना केवल न्यायपालिका की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि देश की हर त्रासदी में न्यायिक संस्थाएं भी जनता के साथ खड़ी हैं।गौरतलब है कि अहमदाबाद विमान हादसे ने देश भर को झकझोर दिया है। इस त्रासदी में कई निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जिन्हें याद करते हुए यह श्रद्धांजलि सभा एक सामूहिक शोक और एकजुटता का प्रतीक बनी।

नाज़रेथ अस्पताल में निःशुल्क रक्तदान शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। कहते हैं रक्त दान महादान ऐसी बाद को ध्यान में रखते हुए निदेशक, नाज़रेथ अस्पताल के 'रेव. फ्र. विपिन डिसूजा' जी ने पहल करते हुए न सिर्फ रक्त दाताओ को जागरूक करने की अच्छी पहले की साथ ही साथ विश्व रक्तदाता दिवस 2025 के अवसर पर अस्पताल परिसर में एक निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन भी हुआ जिसमे सूचित किया गया कि विश्व रक्तदाता दिवस 2025 के अवसर पर, नाज़रेथ अस्पताल, इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग से, दिनांक 16 जून 2025 (सोमवार) को प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक अस्पताल परिसर में एक निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है। रक्तदाता हेतु जानकारीःइच्छुक व्यक्ति व्हाट्सप्प नंबर 9453629429 पर पूर्व पंजीकरण कर सकते हैं। कृपया अपने साथ आधार कार्ड की एक प्रति (हार्डकॉपी या सॉफ्टकॉपी) अवश्य लाएं। सादर,(रेव. फ्र.विपिन डिसूजा) निदेशक, नाज़रेथ अस्पताल।

बहुत जल्दी आयोजन होगा - मिसेज यूनिवर्स एशिया नेहा शर्मा के साथ नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों का टॉक शो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी, 20/06/25 - नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में जल्द ही एक विशेष टॉक शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मिसेज यूनिवर्स एशिया नेहा शर्मा छात्रों के साथ अपने अनुभव और जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करेंगी। इस कार्यक्रम में छात्रों को नेहा शर्मा से उनके करियर, सौंदर्य और आत्मविश्वास के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिलेगा। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि इस टॉक शो का उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। नेहा शर्मा की प्रेरणादायक कहानी और उनके अनुभव छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी होंगे। इस टॉक शो की तारीख और समय जल्द ही घोषित किया जाएगा। छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे वे नेहा शर्मा से सीख सकें और अपने भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो सकें।

रेस्टोरेंट के बाहर बम धमाका, सीसीटीवी,अटाला में बदमाशों ने बाइक से आकर किया हमला, इलाके में मची अफरा-तफरी

प्रयागराज। प्रयागराज के खुलदाबाद थाना क्षेत्र के अटाला मोहल्ले में रविवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ अज्ञात युवकों ने एक रेस्टोरेंट के बाहर बम चला दिया। यह घटना हाजी रशीद के बंगले के पास स्थित एक रेस्टोरेंट के सामने हुई। अचानक हुई इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों में दुबक गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात कुछ युवक बाइक से आए और रेस्टोरेंट के सामने खड़े होकर तेज आवाज के साथ बम चलाया। बम धमाके की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। रेस्टोरेंट मालिक की ओर से खुलदाबाद थाने में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।घटना की जानकारी मिलते ही खुलदाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि कुछ संदिग्ध युवकों की तस्वीरें कैमरे में कैद हुई हैं, जिनके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।रेस्टोरेंट मालिक का कहना है कि उसका किसी से कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं है, और उसे नहीं पता कि यह हमला क्यों किया गया। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि यह किसी आपसी रंजिश का मामला तो नहीं है या फिर किसी गैंग की ओर से इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश।फिलहाल पुलिस ने रेस्टोरेंट के आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही हमलावरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

हत्या के प्रयास के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तारःप्रयागराज में बाइक पार्किंग विवाद में हमला

प्रयागराज। प्रयागराज के सराय ममरेज थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। 14 जून को सिरसा चौराहे पर बाइक पार्किंग को लेकर हुए विवाद में मोहम्मद अनवर और उनके बेटे अब्दुल्ला पर हमला किया गया था। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस मामले में थाना सराय ममरेज में एफआईआर दर्ज की गई थी। 15 जून को पुलिस ने साथरडीह मजार के पास तालाब किनारे से अमन भारतीया, मिथुन भारतीय, प्रहलाद भारतीय, योगेश उर्फ ओझा और रवि कुमार भारतीय को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर दो लोहे के चाप्ड़, एक लोहे की रम्भा, एक बांस की लाठी और एक लकड़ी का डंडा बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नींद खुली तो मां-पिता, बहनों के कंकाल थेःप्रयागराज में बेटी बोली- 3 घंटे पहले सब साथ थे

प्रयागराज।'रात के करीब 1 बज रहे थे। आग लगी है, बचाओ-बचाओ, जल्दी-जल्दी पानी डालो का शोर सुनकर आंख खुली। मैं बाहर निकली तो देखा कि मेरे घर में आग लगी हुई थी। लोग पानी भरी बाल्टियों को लेकर भाग रहे थे। बारा तहसील के हल्लाबोर सोनबरसा निवासी वीरेंद्र वनवासी अपनी पत्नी पार्वती और दो बेटियों राधा (6) और करिश्मा (4) के साथ कच्चे मकान में सोए थे। शनिवार रात करीब 1 बजे उनके मकान पर आकाशीय बिजली गिर गई।जिसमें वीरेंद्र उनकी पत्नी और दो बेटियां जिंदा जल गईं। ग्रामीणों ने जब आग बुझाई, तब सभी के कंकाल मिले।वीरेंद्र पत्तल बनाने का काम करते थे। वीरेंद्र की चार बेटियां थीं। दो बेटियां सोन कुमारी और आंचल बच गईं। सोन कुमारी गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांच और आंचल चौथी कक्षा में पढ़ती है। आग से दोनों के स्कूल बैग, ड्रेस, कपड़े और खेलने का सामान सब कुछ राख हो गया।मैं भीड़ में अपने मम्मी-पापा और दोनों बहनों को देखने लगी। वे दिखाई नहीं दे रहे थे। जब आग बुझी तो घर के अंदर राख के बीच पापा-मम्मी के साथ दोनों छोटी बहनों के कंकाल पड़े थे। 3 घंटे पहले हम सभी ने एक साथ खाना खाया था।'यह कहते-कहते 10 साल की सोन कुमारी फफक-फफककर रोने लगी। दादी छोटी देवी ने उसे चुप कराया। सोन कुमारी की मां पार्वती, पिता वीरेंद्र और दो बहनों की शनिवार रात आकाशीय बिजली गिरने से जिंदा जलकर मौत हो गई। सोन कुमारी ने बताया- शाम को पापा आम लाए थे। कहा- तुम बहनों को जितने आम खाने हों खा लो। हम चारों बहनों ने एक साथ बैठ कर आम खाए। फिर रात 10 बजे मम्मी-पापा के साथ खाना खाया।फिर मैं और मेरी छोटी बहन आंचल अपने घर से 25 मीटर दूर दादा-दादी के पास सोने चले गए। इसलिए हम बच गए।

यूपी में जोरदार आंधी-बारिश, बरेली में हाईवे डूबाःआगरा में सड़क नहर बन गई; 18 जून को मानसून की एंट्री; 48 घंटे में 34 की मौत

लखनऊ। यूपी में भीषण गर्मी के बीच बारिश का दौर शुरू हो गया है। सोमवार सुबह से गोंडा, मथुरा, बलरामपुर, संभल, आगरा, हाथरस, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गोंडा, संत कबीरनगर में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हो रही है। हल्की हवा भी चल रही है। लखनऊ में बादल छाए हैं, सुबह बूंदाबांदी हुई।बरेली में रात 12 बजे से झमाझम बारिश शुरू हुई। सुबह 6 बजे तक बरसात जारी रही। करीब 6 घंटे की बारिश में शहर से हाईवे तक पानी भर गया। यहां लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर घुटने तक पानी भर गया है। पुलिसकर्मी पानी में खड़े होकर ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे हैं। कई कॉलोनियों में कमर तक पानी भरा है। सुभाषनगर पुलिया के पास रोड नदी जैसा दिख रहा है। मढ़ीनाथ पर भी पानी भर गया। सुभाष नगर पावर हाउस पर दो फीट पानी भर गया है।आज 62 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और बारिश की चेतावनी है। पिछले 24 घंटे में वाराणसी देश में सबसे गर्म रहा, यहां का पारा 43.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।दूसरा सबसे गर्म जालौन रहा, यहां तापमान 42.6 डिग्री रहा। तीसरा सबसे गर्म पंजाब का भटिंडा वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान हरदोई में 23.5डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि 18 जून को गोरखपुर के रास्ते यूपी में मानसून की एंट्री होगी।पिछले 48 घंटे में बिजली गिरने से 26 लोगों की मौत हुई है। प्रयागराज में पति-पत्नी और उनकी दो बेटियां जिंदा जल गईं। वहीं, शाहजहांपुर में आंधी-बारिश से 45 साल की एक महिला की मौत हो गई। हीटस्ट्रोक से 7 लोगों की मौत हुई। *वाराणसी में 4, सोनभद्र, गाजीपुर और मिर्जापुर में 1-1 लोगों की जान गई।* प्रदेश में कुल 34 लोगों की मौत हुई।

आंधी-बारिश से मौसम बदलाःतापमान में गिरावट, धान की खेती को राहत, किसानों को सिंचाई लागत में बचत

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार शाम को आई तेज आंधी और सोमवार तड़के करीब 2 बजे के आसपास हुई झमाझम बारिश ने प्रयागराज का मौसम पूरी तरह से बदल दिया है। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे शहरवासियों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं रही, वहीं इससे किसानों को भी बहुत बड़ा लाभ मिला है। मौसम के इस बदले मिजाज ने आम जनजीवन को सुकून और खेतों को संजीवनी प्रदान की है।रविवार देर शाम आई तेज हवाओं और आंधी ने गर्मी से राहत की शुरुआत कर दी थी। इसके बाद सोमवार की अलसुबह करीब 2 बजे शुरू हुई झमाझम बारिश ने पूरे जिले को भिगो दिया। करीब एक घंटे तक रुक-रुक कर हुई तेज बारिश ने तापमान में उल्लेखनीय गिरावट ला दी, जिससे सुबह की शुरुआत ही ठंडी फिजाओं और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ हुई।इस बारिश का सबसे बड़ा फायदा उन किसानों को मिला है जो लंबे समय से पानी की बाट जोह रहे थे। खासतौर पर धान की खेती करने वालों के लिए यह बारिश समय पर हुई है। खेतों में अब भरपूर नमी आ गई है, जिससे धान की नर्सरी डालने और रोपाई की तैयारी शुरू हो सकेगी। जलभराव से खेतों की उर्वरता भी बेहतर होने की संभावना है।प्रयागराज जनपद के करछना, हंडिया, कौंधियारा, झूंसी, फूलपुर और यमुनापार के कई ग्रामीण क्षेत्रों से किसानों ने बताया कि उन्हें अब नलकूपों या पंपसेट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि बारिश ने प्राथमिक जरूरत को पूरा कर दिया है। इससे सिंचाई लागत में भी कमी आएगी।मौसम विभाग ने बताया है कि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में और गिरावट आएगी और उमस से राहत बनी रहेगी। यदि यह सिलसिला जारी रहा तो खरीफ फसलों की बुआई समय से और अच्छी तरह हो सकेगी।

जंक्शन से चलेगी बापूधाम एक्सप्रेसःरामबाग की जगह मुख्य स्टेशन से होगी शुरुआत, 16 की जगह अब 21 कोच

प्रयागराज। प्रयागराज रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। रामबाग रेलवे स्टेशन से चलने वाली बापूधाम एक्सप्रेस का संचालन अब प्रयागराज जंक्शन से किया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है और जल्द ही ट्रेन का नया रूट और संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा।अब यात्रियों को रामबाग स्टेशन तक जाने की जरूरत नहीं होगी। बापूधाम एक्सप्रेस (पूर्व में 12537/38) अब प्रयागराज जंक्शन से सीधे मुजफ्फरपुर तक चलेगी। इस बदलाव के साथ ट्रेन का नया नंबर 14111/14112 कर दिया गया है। इससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा मिलने की उम्मीद है।इस ट्रेन में कोचों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। अब तक इस ट्रेन में कुल 16 कोच थे, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 21 कोच किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को यात्रा करने का अवसर मिलेगा, विशेष रूप से उन यात्रियों को जिन्हें पहले सीट उपलब्ध नहीं होती थी। अब तक यह ट्रेन मुजफ्फरपुर से सोमवार और बुधवार शाम 7:30 बजे रवाना होती थी और अगले दिन सुबह 8:30 बजे प्रयागराज के रामबाग स्टेशन पर पहुंचती थी। लेकिन अब इसका टर्मिनस प्रयागराज जंक्शन कर दिए जाने से शहर के मुख्य स्टेशन से ही सफर की शुरुआत होगी, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा से मुक्ति मिलेगी।इस ट्रेन में बड़ी संख्या में फौजी (सेना के जवान) सफर करते हैं। ट्रेन में कोच बढ़ाए जाने से उन्हें भी बड़ी सुविधा होगी। सेना के लिए आरक्षित सीटों की संख्या में भी इजाफा होने की संभावना है। रेलवे अधिकारियों ने जानकारी दी है कि यह फैसला यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए लिया गया है। प्रयागराज जंक्शन एक बड़ा हब है, जहां से देशभर के लिए कनेक्टिविटी उपलब्ध है। बापूधाम एक्सप्रेस का संचालन प्रयागराज जंक्शन से होने से बड़ी संख्या में यात्रियों को सुविधा मिलेगी। कोचों की संख्या बढ़ाए जाने से अतिरिक्त यात्रियों को भी समायोजित किया जा सकेगा।'

जिला पंचायत सदस्य समेत लोगो ने का आरोप बाणसागर पुल के मरम्मत कार्य में लापरवाही का आरोप, जान जोखिम में डालते दिखे लोग, अधिकारी अनजान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल। शहडोल से रीवा इलाहाबाद जोड़ने वाले मार्ग में स्थित बाणसागर पुल पांच दिन पहले छतीग्रस्त हो गया, जिसमें आवागमन पूरी तरीके से बंद हो गया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस पर गंभीरता नहीं दिख रहा है,चार मजदूरों के भरोसे इतने बड़े पुल के मरम्मत का कराया जा रहा है,मौके पर ना तो ठेकेदार मौजूद है, और ना ही एमपीआरडीसी के अधिकारी। अब 25 से अधिक गांव के लोग इसी पुल से रोजाना जान जोखिम में डालकर पटरे से पुल पार करते दिखाई दे रहे हैं,इस पर किसी की रोक-टोक नहीं है,प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। जिले के देवलौंद में स्थित बाणसागर सोन नदी पुल का ऊपरी हिस्सा 10 जून को अचानक 1 मीटर टूट गया, जिसे देख पुलिस ने दोनों ओर बैरिकेट्स लगाकर मार्ग को तत्काल प्रभाव से

बंद कर दिया। स्थानीय पुलिस के द्वारा इस मामले की जानकारी तत्काल ही एमपीआरडीसी के अधिकारियों सहित जिले में बैठे अधिकारियों को दे दी। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंच मौके का जायजा लिया और मरम्मत कार्य शुरू कराने का आदेश जारी किया। बाणसागर निवासी जिला कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव सुभाष त्रिपाठी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह शहडोल रीवा और इलाहाबाद को जोड़ने का एक प्रमुख मार्ग है। लेकिन इस पर लापरवाही बरती जा रही है,तेजी से सुधार कार्य करवाना चाहिए लेकिन अधिकारी इसे हल्के में ले रहे है। जिला सचिव ने बताया कि चार मजदूरों के भरोसे पुल में मरम्मत कार्य कराया जा रहा हैं । पुल के ऊपर मरम्मत के लिए एक मीटर चौड़ा गड्ढा भी बनाया गया है,जिसके ऊपर एक पटरा लगा दिया गया है , जिसमें से सोन नदी के दूसरी ओर रह रहे लोग आवा जाहि कर रहे हैं। जिसमें हादसा हो सकता है । जिला सचिव ने बताया कि 25 से अधिक गांव के लोग पुल की दूसरी ओर रहते है और वह इधर बजार, ईलाज एवम् मजदूरी करने पटरा पार कर आते है ।क्योंकि जो डायवर्टर मार्ग है वह 30 किलोमीटर अधिक दूरी तय करने के बाद लोग दूसरी ओर आ सकते है। जानकारी के अनुसार सोन नदी के ऊपर बने यह पुल का निर्माण 1980 में शुरू हुआ था और 1986 में पूरा हो गया था, समय-समय पर इसमें मरम्मत का कार्य करना था लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग ने इस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जिसकी वजह से यह छतीग्रस्त हो गया। 30 किलोमीटर अधिक दूरी कर लोग पहुंच रहे रीवा पुल के ऊपर से आवागमन बंद हो जाने की वजह से अब शहडोल से रीवा जाने वाले लोगों को दूसरे मार्ग से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिससे उन्हें अब 30 किलोमीटर अधिक दूरी तय कर रीवा पहुंच रहे हैं,इसी तरह रीवा से शहडोल या इलाहाबाद से आने वाले वाहनों को अधिक दूरी तय कर आना पड़ रहा है, जो डायवर्टेड मार्ग है वह बुढ़वा हो कर जाता है।

हवाई जहाज दुर्घटना में मारे गए लोगों की दी गयी श्रद्धांजलि,मौन रखकर मर्तकों की आत्मा की शाँति के लिए की गयी प्रार्थना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा बीते बृहस्पतिवार को गुजरात के अहमदाबाद हुई हवाई जहाज दुर्घटना में मारे गए लोगों को नोएडा मीडिया क्लब में श्रद्धांजलि दी गयी। नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी की अगुवाई में नोएडा मीडिया क्लब के सभागार में क्लब के सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दुर्घटना में मारे गए सभी मर्तकों की आत्मा के लिए प्रभु से प्रार्थना की और हादसे में घायल सभी लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करी। इस मौक़े पर उत्तर प्रदेश कृषि अनुसन्धान परिषद के अध्यक्ष और राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता भी मौजूद रहे है,उन्होने कहा की यह हादसा बेहद ही दर्दनाक है,जिसमें देश और विदेश के कई नागरिकों को अपनी जान गवानी पड़ी, हम सभी प्रभु से प्रार्थना करते हैं की मृतक लोगों के परिजनों को इस दुःखद घटना को सहन करने की शक्ति प्रदान करे और सभी घायलों को जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। इस मौक़े पर महासचिव जयप्रकाश सिंह,सचिव जगदीश शर्मा,वीरेंद्र मलिक, अंबरीश त्रिपाठी,मनोहर त्यागी,अरुण सिन्हा,हिमांशु शुक्ला,पवन त्रिपाठी,विकास सिंह,अंजना भागी,नीलम भागी,अरविन्द गुप्ता,राजेश शर्मा,निशांत शर्मा,सुमन चौधरी,प्रिया राणा,प्रफुल्ल पांडे,संदीप गर्ग,रमेश शर्मा,अशोक पंडित आदि मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

श्रीराम कथा की हवन-यज्ञ से हुई पूर्णाहुति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सेक्टर 93 सुपर एमआईजी सनातन धर्म मंदिर पर चल रही श्रीराम कथा का आज विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। नव दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में नव दिवसीय कथा को भक्त गणों ने बड़े ही मनोयोग से सुना। कथा में प्रतिदिन अपार भीड़ आती थी और बडी तन्मयता के साथ कथा श्रवण करते थे। इसी कड़ी में आज सभी भक्तों ने दो कुन्डीय हवन कुंड पर सामूहिक हवन एवं आरती किया। उसके बाद कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज का आशिर्वचन सुना उसके बाद एक एक भक्त मंच पर जाकर परम पूज्य गुरुदेव जी का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात कन्या पूजन किया गया, कन्या भोजन के बाद सभी भक्तजनों को पंडाल में बैठाकर महाप्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद वितरण में महिलाओं और बच्चों का सराहनीय योगदान रहा। पूरे सेक्टर के सहयोग से यह श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती नीलम द्विवेदी ने सेक्टर के सभी सम्मानित सदस्यों का आभार व्यक्त किया सभी आचार्य गणों एवं मंदिर के पदाधिकारियों एवं स्वयं सेवकों का भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सुपर एमआईजी एवं पूरी टीमो को सहयोग के धन्यवाद दिया। सभी सम्मानित भक्त गणों ने कथा समापन पर परम पूज्य गुरुदेव जी विदाई ढोल बाजे के साथ की गई। इस विदाई के अवसर पर सभी बच्चों एवं महिलाओं के नयन सजल हो गए थे। इस मौके पर वीरेन्द्र द्विवेदी, राजवीर सिंह, राजेश कुमार गुप्ता,राज दूबे, विजय झा, संतोष कुमार शुक्ला, प्रभाकर सिंह, सुखपाल शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, देव मणि शुक्ल, रवि राघव, रमेश कुमार वर्मा, गोरे लाल, संगम प्रसाद मिश्र, विकास शर्मा, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, अनिल चौधरी, सर्वेश कुमार तिवारी, राकेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह, राम भजन सिंह, संदीप पांडेय, हंस मणि शुक्ल,विनय त्रिवेदी, सी एल तिवारी, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रंजन गिरि, अनिल कुमार पांडेय (अलीपुर), रमेश चंद्र दास, संजय कर्ण, अजय सिंह, अवनीश तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, दिनेश पाठक, अभिशेष सिंह, अनमोल सिंह, विवेक सिंह, प्रांजल शुक्ला, अनमोल सिंह, पीयूष शुक्ल, सिद्धार्थ वर्मा, अंशुमान मिश्रा, मधुर राघव, मुक्तेश भारद्वाज, मार्कंडेय मिश्रा , श्रीमती नीलम द्विवेदी, श्रीमती मंजू गुप्ता, श्रीमती सचिता राय, श्रीमती रेशमा दूबे, श्रीमती संतोष सिंह, श्रीमती संतोष सिंह , कृष्णा राठौर, श्रीमती कोमल राठौर, सुमन द्विवेदी, संध्या तिवारी, आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सेक्टर 82 के ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में आरडब्ल्यूए के संयोजन में नेक्सिस हॉस्पिटल द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर की निःशुल्क जांच की गई। जनरल सर्जन डॉ श्रेया, गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ जैनाब, फिजिशियन डॉ विशाल ने लोगों की जांच की और उन्हें परामर्श दिया। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने अपनी जांच कराई।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि संयमित दिनचर्या और नियमित अंतराल पर जांच से हम गंभीर रोगों से बच सकते हैं। अनियमित जीवन शैली , फास्ट फूड की अधिकता ,भागदौड़ की जिंदगी में स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देना हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है इसके लिए सजग रहना जरूरी है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, सुभाष शर्मा, सर्वेश तिवारी, जगपाल यादव, किशोर कपूर, गुड्डू चौधरी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

लोगो की अपील- स्वास्थ्य अधिकार है, उपकार नहीं, ब्योहारी को चाहिए एक हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

ब्योहारी। यह ब्योहारी का दुर्भाग्य है कि यंहा 100 बिस्तरा अस्पताल तो है मगर यंहा विशेषज्ञ डॉ नहीं है और न ही यंहा कोई सुविधा है। देखा जा रहा है कि कई बार डॉ. मरीज को यंहा से रिफर करते है किन्तु समय से इलाज न होने के कारण रास्ते मे ही मरीज दम तोड़ देता है। जनप्रतिनिधियों नें भी समय समय पर उच्चधिकारियो का इस ओर ध्यान आकर्षित किया मगर रत्ती भर असर होता नहीं दिख रहा है। इलाज के अभाव मे कई लोगो की असमय ही मृत्यु हो गयी इसके बाद भी आज तक यंहा न तो विशेषज्ञ डॉ की ब्यवस्था की गयी और न ही लोगों को जांच की सुविधा मिल रही है जबकि ब्योहारी जनसंख्या की दृष्टि से बड़ी तहसील है यंहा सैकड़ों गाँवों के लोग निर्भर हैं इसके बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बेहद दयनीय है। विशेष रूप से हृदय रोग जैसी आपात स्थिति में, मरीजों को प्राथमिक उपचार तक नहीं मिल पाता। हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्या के मामलों में अक्सर समय पर इलाज न मिलने के कारण लोगों की जान चली जाती है, क्योंकि न तो यहाँ कोई कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) है और न ही आवश्यक उपकरण एवं आपातकालीन सुविधाएं। ब्योहारी के समाज सेवियों एवं प्रबुद्ध लोगो नें शासन प्रशासन से मांग की जा रही है कि ब्योहारी में एक स्थायी हृदय रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की जाए। आधुनिक हृदय चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित एक मिनी आईसीयू या कार्डियक केयर यूनिट की स्थापना की जाए और 108 एम्बुलेंस सेवा की संख्या और तत्परता में सुधार किया जाए जिससे लोगो को समय मे इलाज की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि यह मांग किसी राजनीतिक स्वार्थ से नहीं, बल्कि जनजीवन की रक्षा के लिए है। यह किसी सुविधा की नहीं, बल्कि जीवन के अधिकार की मांग है।

पोषाहार वितरण के लिए फेस एथेंटिकेशन जरूरी : जिला कार्यक्रम अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। बीते शनिवार जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्रो पर पंजीकृत गर्भवती धात्री/महिलाओं तथा 6 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों का पोषण ट्रैकर ऐप पर फेस एथेंटिकेशन (चेहरा पहचान प्रणाली) करना अनिवार्य कर दिया गया है जिसमें समस्त लाभार्थियों की फेस की फोटो तथा ई-केवाईसी की जाएगी। बिना फेस एथेंटिकेट/ईकेवाईसी कराये पोषाहार के लाभार्थियो को पोषाहार नही दिया जायेगा। इस विषय में प्रमुख सचिव बाल विकास पुष्टाहार द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत किए गए है, जिसमे स्पष्ट निर्देश है कि 01 जून 2025 से पुष्टाहार वितरण हेतु फेस एथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। इस कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए है। इसके क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह द्वारा जनपद के समस्त सी.डी.पी.ओ, मुख्य सेविका तथा ब्लाक को-आर्डिनेटर की विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में समीक्षा बैठक कर इस कार्य को 30 जून तक अनिवार्यतः पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। फेस एथेंटिकेशन का कार्य जनपद के समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा किया जाएगा। बैठक में समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविका, जिला समन्वयक एवं समस्त ब्लाक को-आर्डिनेटर उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने थाना दिवस पर खीरों में सुनी लोगों की फरियाद,समस्याओं का करें गुणवत्तापरक निस्तारणः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। बीते शनिवार जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ थाना खीरों में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व, आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते आईं। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किए जाने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, निर्भीक, पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करें। दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिये। उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादों को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए। इस अवसर पर एसडीएम लालगंज मिथिलेश त्रिपाठी सहित पुलिस विभाग के साथ राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री गुरु कृपा हि केवलम्, श्री गुरुदेव जी घर पधारे परिवारी जनों सहित स्वजनों को मिला दिव्य आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

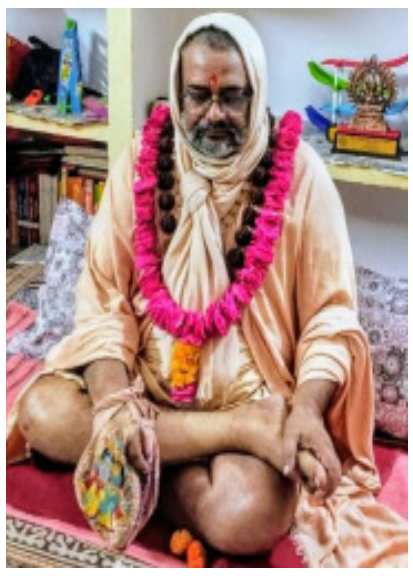

रायबरेली। पठन पाठन, ऐतिहासिक धार्मिक साहित्य लेखन, धर्म के प्रति विशेष अभिरुचि के साथ - साथ सन्यास के प्रति गहन चिंतन एवं समाज , देश व दुनिया को सनातन के प्रति जन जागरण के साथ धार्मिक और प्रकृति प्रधान स्थलों का अनवरत परिभ्रमण ही जिनका जीवन का उद्देश्य हो ऐसे ही श्री गुरदेव परमहंस स्वामी सूर्य प्रबोधाश्रम जी महाराज उर्फ स्वामी स्वात्मानंद जी महाराज घर पर मेरे पुत्र अपूर्व राजन मिश्र के विवाहोपरांत भिक्षा समारोह में विशेष अनुरोध पर पधारे और आरती पूजन के बाद अपने आशीर्वचनों एवं दिव्य आशीर्वाद से उपस्थित परिवारजनों व स्वजनों को कृतार्थ किया। रायबरेली के गेगासो गंगा तट पर स्थित असनी कुटी के प्रमुख आध्यात्मिक संत स्वामी स्वात्मानंद जी महाराज अपनी बेबाक टिप्पणी, धार्मिक अभिरुचि, उत्कृष्ट लेखन एवं श्री राम कथा, श्री शिव पुराण व श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा एक सारगर्भित प्रस्तुतीकरण एवं उत्कृष्ट सम्बोधन के लिए अपने भक्तों एवं श्रोताओं के बीच जाने जाते हैं। उनकी कथाओं में प्रबुद्ध श्रोताओं की संख्या अधिक रहती है, यही नहीं? श्री स्वामी जी की कथाओं में जहाँ ऐतिहासिक उत्कृष्ट धार्मिक प्रसंगों का उल्लेख रहता है वहीं स्वामी स्वात्मानंद जी महाराज द्वारा स्वलिखित गीत भी कथाओं में विशेष जान डालने का काम करते हैं। श्री स्वामी स्वात्मानंद जी महाराज के साथ दण्डी स्वामी रामबोध आश्रम जी, दण्डी स्वामी रंतदेव आश्रम जी, स्वामी ओंकार आश्रम जी, श्रीप्रकाश जी, बाल ब्रह्मचारी मयंक जी व आदर्श जी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आर के पाण्डेय जी, वरिष्ठ पत्रकार शिव मनोहर पाण्डेय, राजेश पाण्डेय, आर के जायसवाल, जगदम्बा तिवारी, संजय शुक्ल, श्रीमती प्रीति शुक्ल, अपूर्व राजन मिश्र, श्रीमती सेजल मिश्रा उर्फ चारू, राजेश मिश्र राजन, श्रीमती आशा राजन मिश्रा, श्रीमती सुषमा मिश्रा, इंजी. रेणुका, गोपाल बाजपेयी, लम्बू बाजपेयी, के पी त्रिपाठी, हेमन्त राजन मिश्र, शिवा मिश्र, संस्कार चंदानी व नन्हकऊ सहित अन्य स्वजन उपस्थित थे।

उ0प्र0 विधान सभा याचिका समिति की उप समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली।उत्तर प्रदेश विधानसभा की याचिका समिति (2024-25) की उप समिति ने जनपद भ्रमण अध्ययन कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में मा0 सभापति संजय कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुयी, बैठक में समिति के मा0 सदस्य प्रभु नारायण सिंह यादव, विवेक कुमार वर्मा, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, समिति के उप सचिव नीरज कुमार सचान, समिति सहायक कमल कुमार, भाष्कर मणी त्रिपाठी, सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।बैठक के पश्चात मा0 सभापति ने मीडिया को सम्बोधित करते कहा कि समिति एक प्रकरण को लेकर जनपद रायबरेली आयी है, शिकायतकर्ता श्रीमती नीलम पाण्डेय ने शिकायत की है कि जनपद रायबरेली की तहसील सदर के ग्राम कठवारा में स्थित भूमि का भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा भूमि का अधिगृहण गलत तरीके से किया गया है उनकी भूमि वाणिज्य भूमि थी, उसका अधिगृहण एन.एच.ए.आई. व राजस्व विभाग द्वारा कृषि भूमि दिखाकर गलत तरीके से किया गया है। जमीन अधिगृहण किये जाने की उसको किसी प्रकार की कोई सूचना नही दी गयी। प्रकरण वर्ष 2012 से वर्ष 2014 के मध्य का है। समिति की जांच में यह निष्कर्ष निकला है कि जमीन का अधिगृहण करते समय एन.एच.ए.आई व राजस्व की टीम द्वारा भौतिक सत्यापन नही किया गया, और न ही जमीन के मालिक को कोई जानकारी दी गयी है और उसका पूरा प्रतिकर भी नही दिया गया है।

सपा नोएडा महानगर ने प्याऊ शिविर का आयोजन कर सेक्टर 53 से की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में व महानगर महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में प्याऊ शिविर के आयोजन की शुरुआत सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट से किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने बताया कि बढ़ती गर्मी से लोगों का बुरा हाल है और इस भीषण गर्मी को देखते हुए सपा नोएडा महानगर संगठन ने नोएडा शहर के विभिन्न जगहों पर आम लोगों को राहत देने के लिए प्याऊ शिविर लगाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत आज इसकी शुरुआत कंचनजंगा मार्केट सेक्टर 53 से की गई। महासचिव विकास यादव ने बताया कि सेवा भाव के उद्देश्य से इस भीषण गर्मी में आम लोगों को राहत देने के लिए सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा है। सपा का यह पियाऊ शिविर का आयोजन लगातार चलते रहेगा जिसके तहत कल 15 जून को सेक्टर 82 पॉकेट 7 के पास शिविर का आयोजन किया जाएगा।आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महानगर महासचिव विकास यादव, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी, जयकरण चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, भीष्म यादव,चिंटू त्यागी ,मनोज गोयल , लोकेश यादव,वीरपाल प्रधान, भीष्म यादव, रोहित यादव, उदय सिंह,सतवीर यादव, अंकित यादव,राणा मुखर्जी,सौरभ चौहान, चंदन सिंह, लोकपाल यादव, दाताराम, हरपाल सिंह, सिकंदर पासवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्रीराम कथा में राम राज्याभिषेक की मार्मिक कथा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सेक्टर 93 सुपर एमआईजी सनातन धर्म मंदिर पर चल रही श्रीराम कथा में कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने आज की कथा में कहा कि राम के राज्याभिषेक की कथा, जो रामायण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर उनका राज्याभिषेक हुआ । राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे थे। भरत, जो राम की अनुपस्थिति में उनकी चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रखकर राज्य का संचालन कर रहे थे। उन्होंने राम का स्वागत किया और उन्हें सिंहासन पर बैठने के लिए आमंत्रित किया। अयोध्यावासियों ने राम के राज्याभिषेक पर बहुत खुशी मनाई और देवता भी प्रसन्न हुए। गुरु वशिष्ठ ने राम को राजतिलक के लिए तैयार किया। राम ने रावण को मारकर और विभीषण को लंका का राजा बनाकर धर्म और न्याय स्थापित किया था। राज्याभिषेक के बाद, राम ने 11,000 वर्षों तक अयोध्या में शासन किया, जिसे राम राज्य के रूप में जाना जाता है। यह कथा न केवल राम के राज्याभिषेक का वर्णन करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे राम ने अपने जीवन के हर पहलू में धर्म और न्याय का पालन किया। इस मौके पर राजवीर सिंह, वीरेंद्र द्विवेदी, देव मणि शुक्ल,शैलेश द्विवेदी, गोरे लाल,रोहित राठौर, राजेश कुमार गुप्ता, संगम प्रसाद मिश्र,वीरेंद्र राय, अंगद सिंह तोमर, रवि राघव,हंस मणि शुक्ल, विकास शर्मा, हरि शंकर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रंजन गिरि, सर्वेश कुमार तिवारी, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रमेश कुमार वर्मा, शिव चौधरी, विजेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह , रमेश चंद्र शर्मा, राज दूबे, मुक्तेश भारद्वाज, प्रांजल शुक्ला, सिद्धार्थ वर्मा, अनमोल सिंह, पीयूष शुक्ल, अंशुमान मिश्रा, प्रियम शुक्ल, संतोष कुमार शुक्ला, विजय झा, श्रीमती नीलम द्विवेदी, श्रीमती कोमल, श्रीमती संध्या तिवारी, श्रीमती मंजू गुप्ता, श्रीमती सचिता राय, श्रीमती रेशमा दूबे, कृष्णा राठौर, श्रीमती सुमन द्विवेदी, शशि बाला, श्रीमती सुभाष आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय सचिव बने भीष्म यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एव निवासी गांव होशियारपुर सेक्टर 52 को सामाजिक व राजनीतिक प्रोग्रामों में सक्रियता को देखते हुए उन्हे अखिल भारतीय यादव महा सभा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस ज़िम्मेदारी मिलने पर नोएडा क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और भीष्म यादव ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को आभार जताया है और कहा की मुझे जो ज़िम्मेदारी यादव महासभा ने सौंपी है मैं उसको पूरी निष्ठा ईमानदारी से निभाऊँगा,व समाज के हित के लिये हर सम्भव प्रयास करूँगा।

थाना हाथीनाला पुलिस ने भगवान राम जी का आपत्तिजनक विडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। प्रकरण का पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए बताया कि दिनांक 15.06.2025 को ट्वीटर (एक्स) के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई कि सूरज जाटव निवासी साउडीह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र द्वारा अपने इंस्टाग्राम आईडी सूरजज्यादवज्यूपी.64 पर भगवान राम जी का आपत्तिजनक विडियो डालते हुए हिन्दू धर्म को अपमानित करने व हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने हेतु विमर्शित व विद्वेशपूर्ण आशय से प्रसारित किया गया है जिससे हिन्दू धर्म में काफी आक्रोश व्याप्त है, सूरज जाटव नामक व्यक्ति के कृत्य से जनमानस के बीज साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है शांति व्यवस्था बाधित हो सकती है। उक्त प्रकरण का पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक हाथीनाला को अभियोग पंजीकृत कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के क्रम में थाना हाथीनाला पर दिनांक 15.06.2025 को ही तत्काल मु0अ0सं0- 22/25 धारा 299, 196 बीएनएस व 66 आईटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया तथा हाथीनाला पुलिस द्वारा आज दिनांक 16.06.2025 को आरोपी सूरज जाटव पुत्र रामस्वरुप निवासी साउडीह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। शांति एवं कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- सूरज जाटव पुत्र रामस्वरुप निवासी साउडीह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष। पुलिस टीम का विवरण- 01. प्रभारी निरीक्षक भईया शिव प्रसाद सिंह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 02. हे0का0 विनोद यादव थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 03. का0 अनुराग कुमार थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र।

साइबर क्राइम पुलिस थाना द्वारा आवेदक का फ्राड हुआ 1,40000 /- रुपये (01 लाख 40 हजार रुपये) वापस कराये गये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण/नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद सोनभद्र द्वारा आवेदक दीपक केशरी पुत्र किशोर केशरी निवासी वार्ड नम्बर 10 ग्राम परासी पोस्ट रेणुसागर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन करके खुद को क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का कर्मचारी बताते हुए कार्ड की लिमिट बढ़ाने एवं अपग्रेड करने की बात कहकर क्रेडिट कार्ड की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर कुल 1,40000 /- रुपये (01 लाख 40 हजार रुपये) का साइबर फ्राड कर लेने के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर प्रकरण की जांच के क्रम में साइबर क्राइम पुलिस टीम के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा पेंड पोर्टल के माध्यम से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके सम्बन्धित बैंक से पत्राचार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये आवेदक अजय सिंह उपरोक्त का 1,40000 /- रुपये (01 लाख 40 हजार रुपये) उनके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। जिस पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी सदर के साथ साथ साइबर क्राइम पुलिस थाना के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

बिजली समस्या को लेकर अधिशासी अभियंता विधुत खड कार्यालय पर प्रदर्शन कि दी चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। 16 जून उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र ने विद्युत समस्या को लेकर के अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया एवं चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शीघ्र जनता की समस्याओं का निराकरण नहीं होता तो उग्र आंदोलन किया जाएगा वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि सरकार के लाख प्रयास के बावजूद भी अधिकारी जनहित के कार्यों में रुचि नहीं ले रहे हैं संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि प्रतिदिन 24 घंटे में 8 से 10 बार बिजली की ट्रिपिंग हो रही है जिसके कारण एक और जहां व्यापारियों का व्यापार प्रभावित हो रहा है वहीं दूसरी ओर आम जनता इस उमस भरी गर्मी का दंश झेल रही है उन्होंने इस संदर्भ में ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा विगत 8 जून की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट स्पष्ट निर्देश दिया कि चाहे जो भी जुगत लगाये निर्वाध बिजली उपलब्ध करायें श्री शर्मा ने कहा कि इस संबंध में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार ने अधिकारियों को हिदायत दी है की जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और समय पर किया जाए जिला अध्यक्ष ने कहा कि ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, पुन निर्मित वितरण क्षेत्र योजना(आर डी एसएस) एवं बिजनेस प्लेन के तहत चल रहे कार्यों में तेजी लानी चाहिए। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह, नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन, एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिला मुख्यालय पर 24 घंटे, तहसील मुख्यालय पर 22 घंटे, एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का निर्देश है बावजूद इसके अधिकारी जनता के मानक पर खरे नहीं उतर रहे हैं और धुआंधार विद्युत कटौती हो रही है। उन्होंने संयुक्त विज्ञप्ति में आगे कहा कि शहरी लाइन के विस्तारीकरण के संबंध में कई बार जिला प्रशासन सहित विभागीय अधिकारियों का भी ध्यान आकृष्ट कराया जा चुका है वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर यदि शहरी लाइन का गेंगुआर तक विस्तारीकरण कर दिया जाएं तो इससे ग्रामीण जनता के साथ-साथ उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा संगठन के जिला उपाध्यक्ष टीपू अली, विनोद जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल, एवं गुरुप्रीत सिंह (गोल्डी) ने कहा कि चंद्र दिनों में बरसात शुरू हो जाएगी जिला मुख्यालय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर खंबे एवं बिजली के तारों का मकड़ जाल हादसे का सब बना हुआ है लाइन लेने हेतु पोल से 400 से 500 मीटर की दूरी तक केवल बिछाकर आपूर्ति हो रही है कम ऊंचाई पर लटक रहे तार मौत को आमंत्रण दे रहे हैं इससे कभी भी जनजीवन की हानि हो सकती है पूर्व में इस तरह की कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। नगर संयोजक अमित अग्रवाल ,प्रदीप जायसवाल और नगर मंत्री अमित वर्मा ने कहा कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लो वोल्टेज एवं बिजली के फ्लैकचुएशन की समस्या से व्यापार तो प्रभावित हो ही रहा है आम जनता भी त्रस्त हो रही है उन्होंने यह भी मांग किया कि यदि तहसील या ग्रामीण क्षेत्रों में लोकल फाल्ट या अन्य किसी तकनीकी खराबी के कारण यदि विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो रोस्टिंग की अगली पाली बाधित समय वाली बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए।जिला मंत्री धर्मेंद्र प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष कृष्णा सोनी, आईटी सेल प्रभारी सूर्या जायसवाल, एवं दीपक सोनी ने मांग किया कि व्यापारियों एवं आम जनता की त्रुटि पूर्ण बिल का तत्काल समाधान किया जाए इस मौके पर कौशल शर्मा, प्रितपाल सिंह, प्रशांत जैन, राजेश जायसवाल, टीपू अली, विनोद जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल, गुरु प्रीत सिंह सोखी, अमित वर्मा, अमित अग्रवाल, धर्मेंद्र प्रजापति, कृष्णा सोनी, सूर्या जायसवाल, दीपक सोनी आदि लोगों उपस्थित रहे।

साफ सफाई में मिली लापरवाहित रुकेगा वेतनःरूबी प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र,एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4, नगर पंचायत घोरावल में 1. नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबरा में 2. नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3. नगर पंचायत दुद्धी में 4, नगर पंचायत डाला बाजार में 2.नगर पंचायत अनपरा मे 3. समस्त निकायों में कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए रही है उक्त अवसर पर जेई मनीष कुमार, सभासद मनोज चौबे ,राकेश कुमार एवं नगर पालिका कर्मचारी सुजीत कुमार,अजीत सिंह , विमलेश कुमार,संत सोनी,आकाश आदि उपस्थित रहे।

संविधान सिर्फ़ किताब नहीं, ये हमारी आवाज़, हमारी पहचान हैः रामराज सिंह गोंड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी निर्देश पर रॉबर्ट्सगंज विधानसभा के गुरौटी ग्राम पंचायत मे संविधान बचाओ सम्मेलन जिला कॉग्रेस अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अध्यक्षता आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे यूपी कॉग्रेस के पूर्व सचिव करम चदं विंद मौजूद रहे.संविधान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए करम चंद विंद ने कहा की जब से प्रदेश और देश मे बीजेपी की सरकार बनी है संविधान खतरे मे है। सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर सरकार आमजन की आवाज को कुचल रही है', सरकार मे बैठे अधिकारी बेलगाम हो गए है, दलितों पिछड़ों पर फर्जी मुक़दमा दर्ज किया जा रहा है ट गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है ट जिला कॉग्रेस अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की बीजेपी सरकार विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सोनिया गाँधी पर ईडी, सीबीआई और तमाम झूठे मुकदमों मे फंसाकर उनकी आवाज दबाना चाह रही है, लेकिन राहुल गाँधी डरने वाले नहीं है,राहुल गाँधी आम जनता के समस्याओं को लेकर बीजेपी से सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करते रहते है कॉग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव कमलेश ओझा ने कहा की महंगाई बेरोजगारी के मुद्दे पर बीजेपी सरकार मौन है। आज पूरा प्रदेश महंगाई से कराह रही है ट महिला कॉग्रेस की जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा की बीजेपी सरकार मे महिलाएं सुरक्षित नहीं है, महिलाओं पर अपराध लगातार बढ़ रहे है, बीजेपी सरकार मे महिलाओ पर अपराध रोकने मे फेल साबित हुई है ट कॉग्रेस पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा की संविधान सिर्फ़ किताब नहीं, ये हमारी आवाज़, हमारी पहचान, हमारी सुरक्षा और हमारा सम्मान है। इसे बचाया नहीं तो ना लोकतंत्र बचेगा, ना हक़, ना इंसाफ़!इसलिए संविधान बचाने के लिए सभी लोग एकजुट होकर संघर्ष करे।सम्मेलन मे प्रेम नाथ चौबे,पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमाकांत पांडे , राजीव त्रिपाठी, शहर अध्यक्ष फरीद , राजबाली पांडे, दयाशंकर देव पांडे, ने भी सभा को संबोधित कर बीजेपी की नाकामियों को उजागर किया ट उक्त मौके पर अमरेश देव पांडे, अंशु गुप्ता, सूरज वर्मा, लल्लू राम पांडे, अवनीश सिंह, घनश्याम देव पांडे, रामेश्वरम यादव, अनिल सिंह, अभिषेक त्रिपाठी, रमाकांत पांडे, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना चोपन पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस द्वारा आज दिनांक-15.06.2025 को मा0 न्यायालय सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में मु0नं0-2139/24 धारा 379, 411 भादवि से संबन्धित 02 नफर वारण्टी अभियुक्तगण 01. दीपक यादव पुत्र देवनारायण यादव निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष 2. अजीत पाल पुत्र गणेश पाल निवासी इन्टेक बस्ती थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तगण का विवरण- 01. दीपक यादव पुत्र देवनारायण यादव निवासी ग्राम चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष। 02. अजीत पाल पुत्र गणेश पाल निवासी इन्टेक बस्ती थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली टीम- 01. वरिष्ठ उपनिरीक्षक उमाशंकर यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02. का0 अमित चौहान थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

श्री अन्न मेला-स्वास्थ्य से जुड़ी स्वाद यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सीएपीएफ में बल सदस्यों के स्वस्थ जीवन शैली के लिए गृह मंत्रालय के श्री अन्न मिशन कि दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुये केऔसुब ने देश भर तैनात अपनी 434 इकाईयों में श्री अन्न के उपभोग के लक्ष्य को पूरा कर लिया है, उक्त जानकारी सीआईएसएफ यूनिट आरएचएसटीपीपी रिहंद के उप. कमांडेन्ट विशाल लक्ष्मण होल्कर ने बताये कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि इन प्रारंम्परिक पोस्टिक अनाजो को न केवल अपने बल सदस्यो और उनके परिवारो के बीच बल्कि व्यापक नागरिको के बीच भी बढावा देने की गृह मंत्रालय की पहल के प्रति सीआईएसएफ की प्रतिवधता को दर्शाती है। इस उपलब्धि की यात्रा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2023 की अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष घोषित करने के साथ शुरू हुई जो भारत के निरंतर प्रयास का प्रमाण है। इसके बाद गृह मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलो के दैनिक आहार में श्री अन्न को शामिल करने का दिए गए आदेश । जिसमें 2024-25 के लिए जवानों के दैनिक आहार में 30 प्रतिशत श्री अन्न का लक्ष्य रखा गया सीआईएसएफ की सफलता का श्रेय सभी इकाईयो को जाता है। और बताया कि दैनिक रोल कॉल, ब्रिफिंग, सैनिक सम्मेलन और अन्य बैठकों के माध्यम से श्री अन्न के लाभो के बारें में लगातार शिक्षित किया गया और इकाई द्वारा आयोजित परिवारिक सदस्यों को शामिल कर उन्हे अपने घर मे आहार में श्री अन्न को शामिल करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।(श्री अन्न सारर्थी) स्वाद और संस्कृति का संगम उप. कमांडेन्ट विशाल लक्ष्मण होल्कर ने कहा कि सीआईएसएफ द्वारा लॉच की गई यह विशेष पुस्तिका श्री अन्न सारर्थी व्यजनों का संग्रह है। इस पुस्तिका में समूचे भारत के विभिन्न श्री अन्न ब्यंजनों की जानकारी दी गई है बलो के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है रसोईयों से फीडबैक शामिल किया गया है और यहॉ तक कि श्री अन्न अपनाने वाले बल के सदस्यों के बीच स्वास्थय सुधार की प्रेरक कहानियॉ भी साझाा की गई है। सीआईएसएफ वेवसाईट पर एक डिजीटल संस्करण आसानी से उपलब्ध है जो ब्यापक पहुॅच सुनिश्चित करता है।

यूपी की स्वास्थ व शिक्षा व्यवस्था अत्यंत दयनीय हैःरमेश गौतम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र । कार्यकर्ताओं ने मधुपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर श्रमदान कर चलाया स्वच्छता अभियान रविवार को,आप पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के एक समूह ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के नेतृत्व में मधुपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य श्रमदान करके परिसर की सफाई सुनिश्चित करना, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और एक स्वस्थ पर्यावरण बनाना था।कार्यकर्ताओं ने केंद्र के आसपास के क्षेत्र की गहन सफाई की, जिसमें कूड़ा-कर्कट हटाना, घास-पात काटना, और परिसर की सामान्य सफाई शामिल थी।यह अभियान ज्योतिजंग सिंह काशी प्रांत कार्यकारणी सदस्य के आह्वान पर आयोजित किया गया था।ज्योति जंग सिंह ने कहा 'हमारा लक्ष्य मधुपुर के स्वास्थ्य केंद्र को एक आदर्श स्वच्छता मॉडल बनाना है, क्यों उत्तर प्रदेश की स्वास्थ और शिक्षा व्यवस्था अत्यंत दयनीय है। हम इस दिशा में लगातार कार्य करते रहेंगे।' जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा आम आदमी पार्टी की विचारधारा है देश के मूलभूत सुविधाओं को ठीक किए बिना हम देश सर्वश्रेष्ठ नहीं बना सकते।शिक्षा स्वास्थ आम आदमी पार्टी की पहली प्राथमिकता है। हम हर महीने जिले के अलग अलग केंद्रों श्रमदान करके स्वच्छता अभियान जारी रखेंगे। एण एऊ प्रकोष्ठ पूर्व जिलाध्यक्ष राजू सोनकर ने कहा मधुपुर अस्पताल में एक सफाई कर्मी नियुक्त थे,जो कई महीने पहले रिटायर्ड हो चुके है, लेकिन इस प्राथमिक स्वास्थ केंद्र अब तक कोई सफाई कर्मी नियुक्त नहीं हुआ है। जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र मौर्या ने कहा मधुपुर स्वास्थ केंद्र सिर्फ बिल्डिंग का ढांचा है, जांच संबंधी उपकरण हैं, न ही जरूरी दवाइयां है।आज के श्रम दान कार्यक्रम में अनवर अली माइनॉरिटी विंग जिला महासचिव,लक्ष्मण मौर्या,जियाउद्दीन,सलीम,अंकित कुमार,जय प्रकाश,मनोज आदि शामिल रहे।

थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में 04 नफर वारण्टी को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा द्वारा जनपद में वाँछित/वारण्टी/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री प्रदीप सिंह चंदेल के पर्यवेक्षण में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा 04 नफर वारण्टी अभियुक्तगण क्रमशः01.ओम प्रकाश पुत्र हरिकिशुन निवासी धनखोर थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 46 वर्ष, 02.रामजीत पुत्र मोती निवासी जामपानी थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 45 वर्ष, 03.जमुना पुत्र बुटन निवासी बधमन्दवा थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 70 वर्ष, 04.फूलचन्द पुत्र धरम निवासी बधमन्दवा थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 60 वर्ष को गिरफ्तार कर नियमानुसार मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-01. ओम प्रकाश पुत्र हरिकिशुन निवासी धनखोर थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 46 वर्ष। 02. रामजीत पुत्र मोती निवासी जामपानी थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 45 वर्ष। 03. जमुना पुत्र बुटन निवासी बधमन्दवा थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 70 वर्ष। 04. फूलचन्द पुत्र धरम निवासी बधमन्दवा थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 60 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरणः- 1.थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 मनोज कुमार सिंह चौकी प्रभारी लिलासी थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 प्रमोद कुमार यादव थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र।

समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन पहुंचाएंगेः डॉ0 रवि सिंह गौड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 रवि कुमार गौड़ बड़कू जनपद प्रथम आगमन पर सफाईयों द्वारा हिंदूआरी मोड पर जोरदार स्वागत किया गया और जिला पार्टी कार्यालय पर स्वागत कार्यक्रम करते हुए बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि हम सबसे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल एवं समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास जी गौड़ को बधाई देना चाहते हैं कि यह पहली बार अवसर है कि जनपद सोनभद्र का एक नौजवान समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नामित करके जनपद सोनभद्र का नाम रोशन किया है।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत योग सप्ताह का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर सोनभद्र में हुआ आयोजन में जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र के द्वारा दीप प्रज्वलन कर योग कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया उसके उपरांत प्रोटोकॉल के अनुसार योग कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी संग क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी सोनभद्र एवं आयुष विभाग के स्टाफ एवं आम जन मानस ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी महोदय ने योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाते हुए प्रतिदिन योग करने की सलाह दी साथ ही आज से कैंपेन के माध्यम से 21जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशिष्ट स्पोर्ट्स स्टेडियम तियरा में आने के लिए भी प्रेरित किया। जनपद में योग पर भाषण, रंगोली , पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा लोगों में जागरूकता के लिए।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित रामनाथ पाठक की मनी 30 वीं पुण्यतिथि,श्रद्धांजलि सभा के साथ आयोजित की गई काव्य गोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व विधायक रहे स्वर्गीय पंडित रामनाथ पाठक की तीसवीं पुण्यतिथि उनके पैतृक आवास पसही कला में रविवार को सायं श्रद्धांजलि सभा एवं काव्य गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें सिर्फ सोनभद्र ही नहीं अपितु आसपास के सभी जनपदों से गणमान्यो की उपस्थिती दर्ज हुई सर्वप्रथम उपस्थित सभी ने स्वर्गीय पंडित रामनाथ पाठक के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तत्पश्चात जनपद के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि अजय शेखर की अध्यक्षता में कवियों ने समा बांधा सर्वप्रथम विख्यात कवि ईश्वर बैरागी ने सरस्वती वंदना करते हुए कवि गोष्ठी की शुरुआत की इसके बाद कवियित्री दिव्या राय ने वीर रस की कविता सुनकर खूब तालियां बटोरी वही जयराम सोनी ने प्रधानी पर व्यंग करते हुए खूब वाह वाही बटोरी अब्दुल हई ने भी शैर सुना कर सभी को मुग्ध कर दिया इसी तरह प्रभात सिंह चंदेल, सुधाकर स्वदेश प्रेम, दयानंद दयालू, विवेक चतुर्वेदी, रामनाथ शिवेंद्र, रचना तिवारी ,कौशल्या चौहान, रमेश चौहान,अशोक तिवारी ने भी अपनी रचनाओं से महफिल में समा बांध दिया कार्यक्रम का संचालन कौशलेश पाठक ने किया मौके पर विजय शंकर चतुर्वेदी ने भी अपने विचारों को रखा मौके पर तीन बार विधायक रहे तीरथ राज ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की रिशु त्रिपाठी, भोला प्रसाद मिश्र, फरीद अहमद,राजीव त्रिपाठी, राजेश द्विवेदी,शैलेन्द्र चतुर्वेदी,रामानंद पांडेय,शिव पूजन शर्मा,अनिल सिंह,धीरज पांडेय,मोहन वियर,पंकज मिश्रा,रोहित तिवारी,नूरुद्दीन खान, आशुतोष पाठक राधेश्यामपटेल,शीतला पटेल,अमरेशदेव पांडेय, मृदुल मिश्रा,डॉ ओमप्रकाश मौर्य,उषा चौबे,शत्रुंजय मिश्रा,सहित सैकड़ो गणमान्य मौजूद रहे अंत में जननायक स्वर्गीय पंडित रामनाथ पाठक की स्मृति सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ मार्कंडेय राम पाठक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। तथा कार्यक्रम का संयोजन शैलेश पाठक व ऐश्वर्य पाठक द्वारा किया गया।

शुभमन बोले- इंग्लैंड सीरीज के लिए उत्साहित हूं:विराट भाई की कप्तानी से बहुत सीखा, फिटनेस को देखते हुए बुमराह के खेलने पर फैसला लेंगे

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वे इंग्लैंड सीरीज के लिए बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को दिए इंटरव्यू में बताया कि विराट भाई की टेस्ट कप्तानी ने बहुत सिखाया। जस्सी भाई की फिटनेस को देखते हुए फैसला लेंगे कि उन्हें कौन से मुकाबलों में रेस्ट देना है। दिनेश कार्तिक ने इंग्लैंड के स्काई स्पोर्ट्स चैनल के लिए शुभमन गिल का इंटरव्यू लिया। उन्होंने बताया ट्रॉफी जीतने के अलावा मैं टीम इंडिया में एक कल्चर बनाना चाहूंगा, जहां सभी खिलाड़ी खुश रहें। सभी टीम में अपनी जगह को लेकर सिक्योर रहें, मैं जानता हूं कि स्क्वॉड में कम प्लेयर्स की जगह रहती है, लेकिन मैं फिर भी प्लेयर्स को ये संदेश देने में कामयाब रहा कि उनकी जगह टीम में कहां है तो मेरे लिए यह अच्छा अचीवमेंट होगा। घरवालों ने कभी नहीं सोचा था कि मैं टेस्ट टीम का कप्तान बनूंगा। मैंने खुद भी बचपन में सिर्फ टीम इंडिया के लिए टेस्ट खेलने का सपना ही देखा। मैंने हमेशा से अपनी परफॉर्मेंस से टीम को जिताने के बारे में ही सोचा था। कप्तान बनने के बाद पापा ने मुझे कॉल किया, हमारी लंबी बातचीत हुई, वे इस फैसले से काफी खुश थे।गौतम भाई और अजीत सर ने बस यही बताया कि मुझे कप्तान के रूप में खुद को एक्सप्रेस करने पर ही फोकस करना है। सिलेक्शन कमेटी ने ज्यादा दबाव नहीं डाला, लेकिन कप्तान बनने के बाद मेरी खुद से जरूर कुछ उम्मीदें हैं, जिन्हें मैं टीम इंडिया के साथ पूरी करना चाहता हूं। आशु पा (आशीष नेहरा) के साथ खेलने के अहसास बहुत मजेदार है। दूसरी ओर गौतम भाई अपने फैसलों को लेकर बहुत क्लियर रहते हैं। वे खिलाड़ियों को पहले ही बता देते हैं कि उनसे क्या उम्मीद की जा रही है। गौतम भाई खिलाड़ियों के माइंडसेट पर ज्यादा फोकस करते हैं।विराट भाई की कप्तानी में उनकी प्रोएक्टिवनेस मुझे बहुत पसंद आई। वे अपनी फील्ड पोजिशन को लेकर बहुत आगे की सोच रखते हैं। वे गेंदबाजों से लगातार बात करते हुए उनसे पूछते रहते कि उन्हें किस तरह की फील्डिंग चाहिए। रोहित भाई की स्ट्रैटजी भी मुझे बहुत पसंद आई।सीरीज के नतीजों को देखते हुए फैसला लेंगे कि जस्सी भाई (बुमराह) को कितना वर्कलोड देना होगा। कुछ मुकाबलों में बारिश की भी संभावना है, उस दौरान उन्हें रेस्ट भी दिया जाएगा। इसलिए फिलहाल हमने फिक्स नहीं किया कि वे कौनसे 3 मैच खेलेंगे। मैं बहुत एक्साइटेड हूं। जब मैंने डेब्यू किया, तब ज्यादातर खिलाड़ी अनुभवी थे, अब कप्तान बना हूं तो बहुत सारे युवा खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन गए। इन्हीं युवा प्लेयर्स पर टीम के 10-12 साल निर्भर करेंगे और युवा खिलाड़ियों की टीम के साथ काम करना ज्यादा आसान होता है।

विमेंस वर्ल्ड कप 2025 का शेड्यूल जारी:भारत-पाकिस्तान मैच 5 अक्टूबर को कोलंबो में; टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू

नयी दिल्ली। विमेंस वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान का हाई-प्रोफाइल मैच 5 अक्टूबर को न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत 12 साल के बाद पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है, जिसका आगाज 30 सितंबर 2025 को होगा। भारत 2013 के बाद पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है।इस टूर्नामेंट में 28 लीग मैच और तीन नॉकआउट मुकाबले पांच स्थानों बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मैच 26 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा। पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं।मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद वह 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला 22 अक्टूबर को इंदौर में होगा।2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा, जिसमें आठ टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे क्वालिफाई किया था। आखिरी दो स्थान पाकिस्तान और बांग्लादेश ने इस साल की शुरुआत में लाहौर में हुए क्वालीफायर में हासिल किए। वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं है, वह क्वालीफायर में बांग्लादेश से नेट रन-रेट के आधार पर पिछड़ गए।

टीम इंडिया इंट्रा-स्क्वॉड मैच:शार्दूल ठाकुर ने प्रैक्टिस मैच में शतक जड़ा, इंग्लैंड टेस्ट के लिए दावेदारी मजबूत

नयी दिल्ली। शार्दूल ठाकुर ने बेकनहम में खेले गए इंट्रा-स्क्वॉड मैच में भारत ए की ओर से 68 गेंदों में नाबाद 122 रनों की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में अपनी दावेदारी की पेश की। तीसरे दिन शार्दूल भारत ए की पारी में शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले सरफराज खान ने दूसरे दिन 76 गेंदों में 101 रन बनाए थे, जिसमें 15 चौके और 2 छक्के शामिल थे। शार्दूल ने अपना शतक भारत की टेस्ट गेंदबाजी यूनिट जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह के खिलाफ बनाया।मैनेजमेंट ने तीसरे दिन के मध्य में ही इंट्रा-स्क्वाड मैच को खत्म कर दिया। यह मैच सोमवार, 16 जून तक चलने वाला था। बीसीसीआई ने रविवार को कहा कि टीम इंडिया का इंट्रा-स्क्वॉड मैच समाप्त हो गया है। 16 जून को पूरा दिन आराम रहेगा। टीम 17 जून को लीड्स के लिए रवाना होगी। प्रैक्टिस मैच का सीधा प्रसारण नहीं किया गया और न ही मीडिया को आधिकारिक तौर पर स्कोर उपलब्ध कराए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह टीम का फैसला था कि तीन या चार दिन का मैच खेला जाए। स्कोर पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि कुछ खिलाड़ियों ने दो बार बल्लेबाजी की (जैसे भारत ए के लिए वॉशिंगटन सुंदर)।इससे पहले, भारत ने 469 रन बनाए थे। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने बेकनहम में सरफराज और शार्दूल के शतकों को देखा। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति पर ठाकुर 10 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद थे। प्रैक्टिस मैच में ठाकुर के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें साथी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी पर बढ़त दिला दी है।शार्दूल ठाकुर, जिन्होंने आखिरी टेस्ट 2023 में खेला था, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने सभी पांच टेस्ट खेले और मेलबर्न टेस्ट में शतक भी जड़ा। शार्दूल को महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेने के लिए जाना जाता है और उन्हें गोल्डन आर्म मैन के रूप में देखा जाता है। हेडिंग्ले टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में उनका चयन होता है या नहीं, यह देखना बाकी है। भारत के लिए 11 टेस्ट मैचों में, ठाकुर ने एक पांच विकेट हॉल सहित 31 विकेट लिए हैं, जबकि 18 पारियों में 67 रनों की सर्वोच्च पारी के साथ 331 रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद ठाकुर को इंग्लैंड सीरीज के लिए टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया। उनका पिछला टेस्ट दिसंबर 2023 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था।

दो बच्चों की मां मारिया क्वींस क्लब टेनिस चैंपियन,डुप्लांटिस ने अपना विश्व रिकॉर्ड फिर तोड़ा

नयी दिल्ली। दो बच्चों की मां और बतौर क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलने वाली जर्मनी की 37 वर्षीय तात्याना मारिया ने प्रेरणा दायक प्रदर्शन करते हुए क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 6-4 से पराजित किया। उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता अमेरिका की मेडिसन कीज को 6-3, 7-6 से हराया था। मारिया बीते पांच वर्ष में किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2020 में सेरेना विलियम्स ने 38 वर्ष की उम्र में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था।विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकीं विश्व नंबर 86 मारिया का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पूर्व विंबलडन विजेता चौथी वरीय एलीना रिबाकीना, तीसरे दौर में छठी वरीय कैरोलिन मुचोवा को पराजित किया। मारिया ने कहा कि वह इस खेल से प्यार करती हैं। वह इन क्षणों के लिए ही जी रही हैं। एनिसिमोवा ने कहा कि उनका परिवार बहुत प्यारा है। वह उनके बच्चों को हर जगह आते देखती हैं।स्टॉकहोम। दो बार के ओलंपिक विजेता स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने 12वीं बार पोलवॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने रविवार को अपने घरेलू दर्शकों के बीच स्टॉकहोम डायमंड लीग में 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए नया विश्व कीर्तिमान बनाया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने इस वर्ष फरवरी में ऑल स्टार पर्शे मीट में बनाए गए अपने ही विश्व रिकॉर्ड 6.27 मीटर को पीछे छोड़ा। उन्होंने 1912 के ओलंपिक स्टेडियम में पहली बार अपने देश में विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा।

महिला हॉकी टीम हारी, ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीता मुकाबला

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को एफआईएच प्रो लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी लेकिन अंतिम मिनट में गोल खाकर 1-2 से हार गई। इससे पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 2-3 से हराया था। भारतीय पुरुष टीम पहले ही नीदरलैंड और अर्जेंटीना से मैच हार चुकी है।यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टीम की लगातार दूसरी हार है। टीम को इससे पहले शुक्रवार 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। वैष्णवी फाल्के के मैदानी गोल की मदद से भारतीय टीम ने मैच के तीसरे मिनट में ही बढ़त कायम कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने मैच के 37वें मिनट में एमी लॉटन के गोल से स्कोर बराबर कर लिया। मैच नियमित समय में बराबरी की तरफ बढ़ रहा लेकिन 60वें मिनट में लैक्सी पिकरिंग ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर भारतीय खेमे को हताश कर दिया। भारतीय टीम अब मंगलवार को अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

पटौदी की विरासत को बचाने के लिए तेंदुलकर आए आगे,ईसीबी-बीसीसीआई के अधिकारियों की बात; भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में विजेता को मिलेगा पटौदी पदक

नयी दिल्ली। साचिन तेंदुलकर ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में पटौदी की विरासत को बनाए रखने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से बात की है। दोनों क्रिकेट बोर्डों ने पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने के ईसीबी के फैसले के बाद आगामी भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी रखने का निर्णय लिया था। हालांकि, इस फैसले को लेकर जबरदस्त विरोध देखने को मिला और खुद तेंदुलकर ने पटौदी विरासत को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सचिन के अनुरोध को ईसीबी ने स्वीकार कर लिया है और विजेता कप्तान को स्वर्गीय एमएके पटौदी के नाम पर एक पदक प्रदान किए जाने की योजना तैयार कर रही है। ईसीबी के एक अधिकारी ने स्वीकार किया है कि हां, इंग्लैंड-भारत सीरीज में पटौदी कनेक्शन को बनाए रखने की पुष्टि योजना है।पटौदी ट्रॉफी 2007 में भारत के 1932 में अपने पहले टेस्ट की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए अस्तित्व में आई थी। 21 साल की उम्र में पटौदी सबसे कम उम्र के भारतीय टेस्ट कप्तान बने थे। उनके पिता इफ्तिखार अली खान पटौदी ने इंग्लैंड और भारत दोनों का प्रतिनिधित्व किया था। सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलना और सबसे ज्यादा 15,921 टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है। वहीं, जेम्स एंडरसन ने पिछले साल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एंडरसन दूसरे सबसे ज्यादा 188 टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वे टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका है। ऐसे में टीम की नजर सीरीज जीतने पर होगी।

खेल और सचिन के सहारे दंतेवाड़ा से दूर होगा नक्सलवाद, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बनेंगे 50 खेल मैदान

नयी दिल्ली। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर ऐसी अनोखी पहले शुरू की है, जिससे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा पर लगा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र का ठप्पा जल्द बीते दिनों की बात होगी। स्थानीय प्रशासन ने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के साथ मिलकर मैदान कप की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत के मुताबिक इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक 50 मैदान के लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा।बीते वर्ष राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। दुदावत ने बताया कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, 'इसी तर्ज पर हमने सचिन फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से युवाओं को खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने बताया कि पहले चरण में 50 गांवों में मैदान विकसित किए जाएंगे।'दुदावत के मुताबिक 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था, लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए। दुदावत ने कहा, लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगले सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं।

बीजिंग पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप में भाग लेगी 16 सदस्यीय भारतीय टीम, 17 जून से होगा आगाज

नयी दिल्ली। भारत की 16 सदस्यीय टीम 17 से 25 जून तक बीजिंग में होने वाले 2025 पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप में भाग लेगी। इस टीम में जैनब खातून, सीमा रानी, झंडू कुमार, जॉबी मैथ्यू, मनीष कुमार और कस्तूरी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इन सभी ने हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रभावित किया था।खिलाड़ियों के लिए रविवार को भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की पूर्व अध्यक्ष दीपा मलिक, वर्तमान पीसीआई महासचिव जयवंत हमनवर और भारत पैरा पावरलिफ्टिंग के अध्यक्ष जेपी सिंह मौजूद थे।सिंह ने कहा, भारत हर टूर्नामेंट के साथ वैश्विक पैरा पावरलिफ्टिंग बिरादरी में खुद को एक ताकत के रूप में स्थापित कर रहा है। हमारे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और हम चीन में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

राशि फल

मेष राशि के लोगों में आज जोश और उत्साह बना रहेगा। आप सामाजिक और समूह की गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।आपको अपनी कई मुश्किलों का हल भी मिलेगा।

वृषभ दिन का कुछ समय अपनी पसंद के और जरूरी कामों में बिताने से शारीरिक और मानसिक थकान दूर होगी और आप फिर से ऊर्जावान महसूस करेंगे। सामाजिक कामों में भी आपकी रुचि रहेगी।

मिथुन समय में अच्छा बदलाव आ रहा है। पिछले कुछ समय से चल रही बीमारी में आज कुछ आराम महसूस होगा। और आप भरपूर ऊर्जा महसूस करेंगे। परिवार से जुड़े कुछ जरूरी फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन यह फैसले अच्छे ही रहेंगे।

कर्क आज आपका कोई खास काम पूरा होने वाला है। जिसमें फायदा मिलने के साथ-साथ मानसिक शांति भी मिलेगी। व्यस्त रहने के बाद भी अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ संपर्क में रहना आपसी रिश्तों में नजदीकियां लाएगा।

सिंह आज कुछ नए लोगों से संपर्क बनेगा, जो कि भविष्य में फायदेमंद भी रहेंगे। पढ़ाई कर रहे लोगों के लिए सफलता का समय है। इसलिए ध्यान लगाकर पढ़ाई करें।

कन्या अपनी योजनाओं को चुपचाप पूरा करें, इससे किसी का दखल नहीं होगा। कुछ समय अनुभवी लोगों के साथ बिताने से आपके व्यक्तित्व में भी सुधार आएगा।

तुला परिवार के बड़े बुजुर्गों की सलाह और मार्गदर्शन पर जरूर ध्यान दें। मीडिया और संपर्क के साधनों से जुड़े कामों में अपना ध्यान खास तौर पर लगाएं, निश्चित ही आपको बड़ी सफलता मिलने वाली है।

वृश्चिक अच्छा समय है, इसका सही इस्तेमाल करें। कोई रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर की मरम्मत या नया रूप देने की योजनाएं भी बनेंगी। अनुभवी लोगों का साथ और मदद भी बनी रहेगी।

धनु नई योजनाएं बनाने और उन्हें शुरू करने का अच्छा समय है। सिर्फ मुश्किलों से डरने के बजाय उनका सामना करें। इससे सफलता के रास्ते भी खुलेंगे।

मकर आज लोगों से मिलना-जुलना बना रहेगा। किसी दोस्त की सलाह से आपके सारे काम अच्छे से पूरे होंगे। अगर संपत्ति से जुड़ा कोई झगड़ा चल रहा है, तो किसी की मध्यस्थता से सुलझ भी सकता है।

कुंभ परिवार के साथ सुख-सुविधाओं की चीजें खरीदने में खुशी का समय बीतेगा। किसी रिश्तेदार के यहां धार्मिक उत्सव में जाने का प्रोग्राम भी बनेगा।

मीन योजना बनाकर और ध्यान लगाकर काम करने से रुके हुए कामों में तेजी आएगी। पिछले कुछ समय से चल रही किसी परेशानी का भी हल मिलेगा। जो लोग आपके खिलाफ थे, आज वही आपके पक्ष में आएंगे।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे युवा क्रिकेट देखते हुए कितना समय बिताते हैं?

जरा इस परिदृश्य पर विचार करें : एक घरेलू क्रिकेट लीग अपना वार्षिक टूर्नामेंट आयोजित करती है (वैसे यह अंग्रेजों ने हमें दिया है), लेकिन क्या यह भारत में किसी भी अन्य खेल की तुलना में अधिक

है। एक टीम के खिताब जीतने के बाद 35,000 दर्शक-क्षमता वाले स्टेडियम में जीत का जश्न मनाया जाता है। लेकिन लाखों लोग चले आते हैं। अराजकता फैल जाती है। भगदड़ मच जाती है। 11 लोग मारे जाते हैं। दर्जनों घायल हैं। दोषारोपण का खेल शुरू हो जाता है।आपने अनुमान लगा लिया होगा- यह आईपीएल है। मनोरंजन का ऐसा जरिया, जिसने पूरे देश को मोहित कर रखा है। 2025 के आईपीएल फाइनल को कथित तौर पर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर लगभग 69 करोड़ लोगों ने देखा, जो कि भारत की लगभग आधी आबादी है। नियमित मैचों को भी करोड़ों दर्शक मिलते हैं।आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई दुःखद मौतें इस बात की याद दिलाती हैं कि क्रिकेट हमारी राष्ट्रीय मानसिकता में कितनी गहराई से समा गया है। यह घटना इस बड़े सवाल को जन्म देती है कि क्या हम क्रिकेट को लेकर कुछ ज्यादा ही जुनूनी हो चुके हैं? और क्या यह उन अनगिनत घंटों पर विचार करने का समय नहीं है, जो कि हम और खासकर हमारे युवा स्क्रीन से चिपके हुए बिताते हैं?आईपीएल पारम्परिक अर्थों में राष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं है। फर्क नहीं पड़ता कि कौन-सी टीम जीतती है, अंतिम निष्कर्ष में वह कोई भारतीय टीम ही होती है। इसमें खिलाड़ियों की नीलामी की जाती है और उन्हें कमोडिटीज़ की तरह खरीदा-बेचा जाता है।टीमों का स्वामित्व कॉर्पोरेट्स, निजी व्यक्तियों और इंवेस्टमेंट-फंड्स के पास होता है यानी किसी शहर की टीम होने के बावजूद वे वास्तव में उस शहर का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। आईपीएल का फॉर्मेट ही व्यावसायिक है। तब हमें इसमें इतनी रुचि क्यों लेनी चाहिए कि भगदड़ का जोखिम उठाकर भी जश्न में शामिल होने को उमड़ पड़ें?और वैसे भी आईपीएल का टी20 फॉर्मेट पारम्परिक क्रिकेट नहीं है। 20 ओवरों के साथ टीमें इस खेल का संकुचित संस्करण खेलती हैं। टी20 मैच के माध्यम से खिलाड़ी की गुणवत्ता का आकलन करना मात्र आधे सेट से ही किसी बेहतर टेनिस खिलाड़ी का निर्धारण करने जैसा है। यह रोमांचक हो सकता है, लेकिन यह निरंतरता और उत्कृष्टता को शायद ही दर्शाता है।यकीनन, क्रिकेट दिलचस्प खेल देखने लायक है? यह भी सच है कि भारत क्रिकेट में विश्व-स्तरीय है, लेकिन इस विश्व-स्तरीय खेल में दुनिया के कितने देश प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं?यहां छह या सात ही अच्छी टीमें हैं। इनमें भी कुछ जैसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की आबादी क्रमशः अहमदाबाद और मुंबई के बराबर है। और क्रिकेट वहां भी प्राथमिक खेल नहीं है। दूसरे देशों के क्रिकेट बोर्ड का बजट भारत के बीसीसीआई के बजट के दसवें हिस्से से भी कम होता है। ऐसे में जब भारत क्रिकेट में जीतता है, तो यह जीत कितनी वैश्विक मानी जा सकती है?खास तौर पर चिंताजनक बात यह है कि हमारे युवा क्रिकेट देखने में कितना समय बिताते हैं। अपने देश का समर्थन करने या आईपीएल में अपनी टीम को सपोर्ट करने के नाम पर साल के कई महीनों तक हर दिन कई घंटे बर्बाद होते हैं। जो युवा प्रशंसक गर्व से कहते हैं कि आई ब्लीड ब्लू या मेरा पसंदीदा खिलाड़ी ही सर्वश्रेष्ठ है, उनसे मैं पूछता हूं कि खिलाड़ी मैचों से कितना कमाते हैं? बेशक करोड़ों। और उन्हें देखकर आप कितना कमा लेते हैं? कुछ भी नहीं। शून्य।तब वास्तव में आप ही यहां पर प्रोडक्ट हैं। आप मैच देखते हैं, आप विज्ञापन देखते हैं, आप नूडल्स, टायर, शैम्पू खरीदते हैं- और प्रायोजक पैसा कमाने में विभिन्न ब्रांड्स की मदद करते हैं। साल-दर-साल आप अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ दूसरों को सफल होते देखने में लगा देते हैं। जबकि असहज कर देने वाली सच्चाई यह है कि किसी को आपकी परवाह नहीं है, उन्हें सिर्फ इस बात की परवाह है कि आप आईपीएल देख रहे हैं।तो अपने से पूछें कि क्या आप अपना जीवन दूसरों को सफल होते देखने में बिता देना चाहते हैं, या आप खुद इसके लिए प्रयास करना चाहेंगे? क्या आप एक सार्थक करियर बनाना पसंद करेंगे, या निजी स्वामित्व वाली किसी क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने वाली भीड़ में अपनी जान जोखिम में डालना चाहेंगे?खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपना स्वयं का एक सार्थक करियर बनाना पसंद करेंगे, या फिर निजी स्वामित्व वाली किसी क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने वाली भीड़ में अपनी जान जोखिम में डालना चाहेंगे? (ये लेखक के अपने विचार हैं) (चेतन भगत)

हिंसक हो रही स्त्रियां समाज का कौन-सा सच बताती हैं?

एक व्यक्ति अपने बेडरूम में मृत पड़ा है। मारने से पहले उसे किसी भारी वस्तु से निर्ममता से पीटा गया है, या उसका गला घोंटा गया है या उसे जहर दे दिया गया है। कठघरे में उसके घर में चोरी करने घुसा कोई अपराधी या शत्रु नहीं, बल्कि उसकी पत्नी खड़ी है। कभी-कभी, पत्नी का प्रेमी भी उसके बगल में बैठा होता है। ये सुर्खियां इतनी भयावह हैं कि उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता : पत्नियां- जो प्रेमी के बहकावे में आकर या उसको बहकाकर अपने पति की साजिश रच देती हैं। इन कहानियों में विश्वासघात, सेक्स और हत्या के तमाम सनसनीखेज ब्योरे शामिल होते हैं। लेकिन क्या ये कहानियां समाज के हाशिए में अलग-थलग घटित होने वाली दुर्घटनाएं हैं, या वे एक गहरे सामाजिक पतन का संकेत दे रही हैं? क्या हम कुछ एक्स्ट्रीम मामलों को चुन-चुन कर उन्हें महिलाओं को बदनाम करने वाली कहानियों में बदल रहे हैं और उनसे अधिक व्यापक सच्चाइयों को सुविधाजनक रूप से नजरअंदाज कर रहे हैं? या सच में ही हम ऐसी महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी होते देख रहे हैं, जो अपने ही घरों में हिंसक अपराधी बन रही हैं? जबकि ये वही महिलाएं हैं, जिन्हें परम्परागत रूप से परिवार का पालन-पोषण करने वाली माना जाता रहा है। और क्या कुछ पुरुषों के पीड़ित होने के बावजूद आज भी महिलाओं के ही विक्टिम होने की सम्भावना अधिक है? उन्माद से भरी इन कहानियों के नीचे कहीं अधिक जटिल, और परेशान करने वाली वास्तविकताएं छिपी हैं। हमें इस बात को लेकर कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए कि आज भी भारत और दुनिया में घरेलू हिंसा की अधिकांश घटनाएं पुरुषों द्वारा महिलाओं पर की जाती हैं।

महिलाओं को उनके पार्टनर द्वारा पीटे जाने, उनका उत्पीड़न करने, और यहां तक कि उनकी हत्या करने की सम्भावनाएं भी महिलाओं द्वारा अपने पुरुष-पार्टनर के साथ ऐसा करने की तुलना में अधिक हैं। इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। जो बदला है वह वो सांस्कृतिक असुविधा है, जो पुरुष के विक्टिम और महिला के अपराधी होने पर उत्पन्न होती है। प्रेमियों के लिए अपने पतियों की हत्या करने वाली महिलाओं के कुछ हाई-प्रोफाइल मामले चौंकाने वाले हैं, क्योंकि वे उस सामाजिक नैरेटिव को चुनौती देते हैं, जिसे हम लंबे समय से स्वीकार करते आ रहे हैं। यह कि महिलाएं- विशेष रूप से पत्नियां- हिंसा की घटनाओं में निष्क्रिय सहभागिता करती हैं, उन्हें खुद बढ़ावा नहीं देतीं। जब यह बात उलट जाती है, तो वे हमें बेचैन करने लगती हैं। और इसके बावजूद, हमें इन घटनाओं को सभी विवाहों या सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली के रूप में देखने की इच्छा का विरोध करना चाहिए। हां, ऐसी घटनाएं सच में ही घटित हो रही हैं- सभी राज्यों और सामाजिक वर्गों में- जहां महिलाओं ने या तो जुनून या हताशा या लालच के कारण अपने पतियों की हत्या करने के लिए अपने प्रेमियों के साथ मिलकर साजिश रची है। ये मनगढ़ंत नहीं हैं। ये भयानक, आपराधिक कृत्य हैं। लेकिन साथ ही ये घटनाएं अभी अपवादस्वरूप ही हैं, सांख्यिकीय रूप से दुर्लभ हैं। जो बात खतरनाक है, वो है इन घटनाओं को महिलाओं की नैतिकता के व्यापक क्षरण की तरह से पेश किया जाना। यह सीधे तौर पर इस पितृसत्तात्मक डर को बढ़ावा देता है कि अगर महिलाओं को बहुत अधिक स्वतंत्रता दी जाए तो वे अनियंत्रित हो जाएंगी। इस तरह की प्रतिक्रियाएं न तो पुरुषों और न ही महिलाओं के लिए मददगार हैं। बल्कि इससे वह वास्तविक-विमर्श धुंधला हो जाता है, जिस पर हमें बात करनी चाहिए : वह है जेंडर के परे भारतीय घरों में हिंसा का बढ़ता सामान्यीकरण। विवाह, जिसे कभी दो लोगों की शरणस्थली माना जाता था, वह अब सत्ता-संघर्ष, अविश्वास और कभी-कभी खून-खराबे का भी स्थल बन रहा है। इन घटनाओं का इस्तेमाल महिलाओं को बदनाम करने या विक्टिमहुड की रस्साकशी करने में करने के बजाय हमें इस सच्चाई को स्वीकारना चाहिए कि हिंसा अब जेंडर-न्यूट्रल होती जा रही है। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह

में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है। कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

किसी साधु का मूल्यांकन करने में सावधानी रखें

इन दिनों धार्मिक गतिविधियां बहुत बढ़ गई हैं। समाज में साधु-संतों का आना-जाना, दिखना ज्यादा हो गया है। यदि आप सामान्य मनुष्य हैं तो जब किसी साधु को देखें तो उसका मूल्यांकन करने में सावधानी रखें। क्योंकि संत यदि सक्रिय दिखे तो उसे बेचैन मत समझना। यह मत मान लेना कि वो भी तामसी वृत्ति में लगा है, रजोगुणी है। और संत निष्क्रिय दिखे तो उसे आलसी न मान लीजिए। हो सकता है उसके भीतर मौन और शांति घटी है। लेकिन हमारी आदत होती है कि हम जैसे होते हैं, वैसा ही दूसरे को देखने लगते हैं। ज्यादातर मौकों पर हम अपनी ही छवि दूसरों में डालकर देखते हैं। दूसरे के व्यक्तित्व का निर्णय करते समय हम अपना ही फैलाव कर

दैनिक जीवन में 'करुणा' दिखाना हमें बेहतर इंसान बनाता है

कोई भी उसके पास नहीं जा सकता। वह तुरंत मार कर खा जाएगा। यह उसकी प्रकृति है। टी-118 वहां बैठा था। उसने अपनी गर्दन हल्की सी उस ओर मोड़ रखी थी, जिधर से लोगों की हलचल की आवाज आ रही थी। लेकिन उसने उठकर अपने शिकार तक जाने की कोशिश नहीं की। हांफते हुए, अपने पैरों पर खड़ा होने की कोशिश करते हुए, उसने एक जलनिकाय के पास ही रुकने रहने का फैसला किया। गश्ती दल के लिए यह कुछ असामान्य था। इसीलिए उन्हें कुछ कदम आगे बढ़ने की हिम्मत मिली, लेकिन वे कई मीटर दूर ही रहे। आखिरकार, यह जंगल में एक बाघ था और कोई भी इसे लेकर खतरा मोल नहीं ले सकता। उस दूरी से भी बाघ के घाव नजर आ रहे थे। वह खड़ा नहीं हो रहा था, क्योंकि वह शिकार करने की हालत में ही नहीं था और गश्ती दल ने तुरंत भांप लिया कि यदि घाव के संक्रमण से उसकी मौत नहीं हुई, तो भूख से हो जाएगी। अप्रैल के अंत की बात है, हाथी पर सवार पशु चिकित्सा दल वहां पहुंचा। और उसने टी-118 को उसी स्थान पर बदतर स्थिति में पाया। उसके चेहरे व शरीर पर गहरे घाव थे। इनमें मवाद पड़ चुकी थी। पशु चिकित्सकों समेत विशेषज्ञों को इसका भी भरोसा नहीं था कि यदि वे उसे अस्पताल ले जाएंगे, तो भी वह बच पाएगा या नहीं। इसलिए उन्होंने वहीं इलाज की योजना बनाई। ट्रैंक्युलाइज करने के बाद बेहोश बाघ को उठाने में 12 लोग लगे। पहले उन्होंने घाव साफकर एंटीबायोटिक्स व एंटीइन्फ्लामेट्री दवाओं से उपचार किया, 15 दिन ओरल दवाएं दी और नियमित निगरानी रखी। और कान्हा रिजर्व में मौत के मुंह में जा रहे बाघ ने धीरे-धीरे प्रतिक्रिया देनी शुरु की। टीम ने देखा कि बाघ धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था, उसकी ताकत लौट रही थी और अपने इलाके पर नियंत्रण कर रहा था। मुश्किलों से जूझते हुए, टी-118 सही हो रहा था। कुछ समय बाद जब उसने एक जंगली भैंसे का शिकार किया तो टीम ने समझ लिया कि अब उनका काम पूरा हुआ। टीम के लिए यह किसी एक बाघ को बचाने की बात नहीं थी। यह संरक्षण के एक मॉडल को परिष्कृत और उसे मान्यता दिलाने की बात थी, जिसमें वन्यजीवों का उपचार उनके प्राकृतिक आवास में कम से कम दखल के साथ किया जाता है। मानव जाति की यह हृदयस्पर्शी कहानी मुझे तब याद आ गई, जब मैंने हाल ही में हुए उस भीषण हादसे के बारे में सुना, जिसमें मुंबई के नजदीक, एक खतरनाक मोड़ पर तेज गति से दौड़ती लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि 10 घायल हुए थे। हादसे ने यात्रियों में आक्रोश पैदा कर दिया और मुम्बई के हलचल भरे उपनगरीय रेल नेटवर्क पर भीड़ नियंत्रण एवं यात्री सुरक्षा की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को फिर हवा दे दी। पीड़ितों और स्थानीय लोगों का कहना है, 'लोग रोजाना

ट्रेनों से गिरते हैं, लेकिन इस सप्ताह चूंकि कुछ लोगों की मौत हो गई, इसलिए यह मुद्दा बन गया। यात्री समूह नियमित तौर पर यह मांग कर रहे हैं कि ऐसी त्रासदियों की रोकथाम के लिए बुनियादी ढांचा सुधारा जाए और निरंतर सेवाएं दी जाएं। लेकिन रेलवे अधिकारियों के उदासीन रवैए के कारण ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।' पीड़ित और नियमित यात्री इस बात पर अचंभा कर रहे हैं कि जब कार्यकर्ताओं ने कई माह पहले ही अधिकारियों को लिखा था कि यात्री खतरनाक तरीके से ट्रेनों से लटकते रहते हैं और खासकर इस मोड़ पर खतरा है, तो क्या कारण था कि अधिकारियों ने इस ओर सुधारात्मक कदम नहीं उठाए? और उनकी बात सही है। हम वही लोग हैं, जिन्होंने घायल बाघ की पीड़ा को महसूस किया, यानी हमारे भीतर जो 'करुणा' है, जो मानव जाति का सबसे बेहतर गुण है। इसी वजह से मैं अचंभे में पड़ जाता हूं कि हमारी 'करुणा' को तब क्या हो जाता है या ये तब कहां खो जाती है, जबकि हमें पता होता है हमारी खुद की प्रजाति रोजाना नहीं तो अधिकतर मौकों पर अपनी जान गंवा रही है, जैसा कि पीड़ित यात्रियों ने दावा किया है। फंडा यह है कि हम सभी करुणा का महत्व समझते हैं, लेकिन हमें इसे अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों में प्रदर्शित करने की जरूरत है, खासकर तब जबकि किसी की भी जान को खतरा हो।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है?पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है। तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते। हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है। जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं। विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए। निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है। 1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे। रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6फीसदी से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा। भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है।

लोग बोलते हैं ये तो मरकर जिंदा हो गयाःकानपुर का युवक बोला मेरा डेथ सर्टिफिकेट बनने वाला था; लाश के 4 निशान, जो मैच हुए

कानपूर। घाटमपुर नगर वाले अजय शंखवार 13 जून की

स्थित मुख्य चौराहे पर 12 जून की दोपहर एक युवक का शव पड़ा मिला। काफी देर बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हुई। इस पर पुलिस ने वॉट्सऐप ग्रुपों पर लावारिस शव की फोटो वायरल कर दी। देर शाम सुमन घाटमपुर थाने पहुंची। उसने शव की शिनाख्त अपने भाई अजय शंखवार के रूप में की। कानपुर देहात के ईदुरुख में रहने दोपहर घाटमपुर थाने पहुंचे। यहां पुलिस को पूरी कहानी सुनाई। तब पुलिस ने माना कि अजय तो जिंदा है। लाश तो किसी दूसरे की है। इसके बाद लाश का पोस्टमॉर्टम रोका गया।कानपुर से करीब 32 किमी दूरी बिरसिंहपुर गांव में भट्ठे पर पहुंची। यहां अजय मजदूरी करता है। यहां पर हमारी मुलाकात रमेश से हुई। रमेश ने बताया कि अजय अपनी बहन के घर सर्दे गोपालपुर में है। फिर हम भट्ठे से करीब 20 किमी दूर सर्दे गोपालपुर पहुंचे। घर के बाहर सुमन कुछ महिलाओं के साथ बैठी बातें कर रही थी। सुमन ने कहा- फोटो देखकर हमारे घर परिवार में मातम छा गया था। इसी बीच भाई को जिंदा देखकर एक बार तो विश्वास ही नहीं हुआ। मुझसे पहचानने में गलती हो गई थी। हम बहुत खुश हैं कि मेरा भाई जिंदा है। अजय ने बताया- मैं भीतरगांव कस्बा स्थित एक ईंट भट्ठे में मजदूरी करता हूं। मेरे पास फोन नहीं है। मैं हफ्ते में एक-दो बार भट्ठे पर साथ में काम करने वाले साथी के मोबाइल से घर पर बात करता हूं। 13 जून की सुबह भट्ठे पर पुलिस पहुंची। पुलिस भट?ठे पर लोगों से मेरे बारे में पूछ रही थी। तब तक मैं पहुंच गया।मुझे देखते ही पुलिस वाले बोले- अरे ये तो जिंदा है। तब मैंने पूछा, क्या हुआ साहब? इस पर उन्होंने बताया कि तुम्हारी बहन ने एक लावारिस शव की पहचान तुम्हारे रूप में की है। इसके बाद शव को घाटमपुर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। तुम घाटमपुर थाने पहुंचकर अपने जिंदा होने की बात बताओ। इसके बाद मैं घाटमपुर थाने पहुंचा। जब मैंने पुलिसकर्मियों को बताया कि मैं अजय हूं, तो वह मानने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद मैंने अपना आधार कार्ड दिखाया। इस पर पुलिसवालों ने कहा कि तू तो मरकर जिंदा हो गया।अजय के पिता मथुरा प्रसाद बुजुर्ग हैं। वह घर पर ही रहते हैं। तीन भाइयों में अजय सबसे छोटा है। अभी अजय की शादी नहीं हुई है। इनकी दो बहनें पुष्पा और सुमन की शादी हो चुकी है। कमलेश, सुनील और अजय ये तीनों भाई मजदूरी करते हैं। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि लावारिस शव की पहचान में युवक की बहन से गलती हो गई थी। उन्हें हिदायत दी गई है। इसके साथ ही आसपास के थानों में शव की फोटो भेजकर पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

साइप्रस ने पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान से नवाजा,अब तक 21 देश कर चुके सम्मानित; अब मोदी जी7 में हिस्सा लेने कनाडा रवाना होंगे

नयी दिल्ली। साइप्रस ने सोमवार को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस छठ्ठ से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे। मोदी ने कहा, 'मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है।' इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब मोदी जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे।पीएम मोदी और राष्ट्रपति निकोस ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 'हमने द्विपक्षीय संबंधों, भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों और आईएमईईसी कॉरिडोर पर भी बात की। साइप्रस-तुर्किये मुद्दे और साइप्रस के पुनःएकीकरण भी चर्चा में शामिल रहा। साइप्रस किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, 'लोकतंत्र मेंआपसी विश्वास हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। भारत और साइप्रस के बीच रिश्ते न तो परिस्थितियों से बने हैं, और न ही ये सीमित हैं।हम एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं।'भारत-साइप्रस

सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले एक दशक में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और बहुत निकट भविष्य में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साइप्रस लंबे समय से हमारा भरोसेमंद साझेदार रहा है और यहां से भारत में काफी निवेश हुआ है। कई भारतीय कंपनियां भी साइप्रस आई हैं और एक तरह से साइप्रस को यूरोप के प्रवेश द्वार के रूप में देखा है। आज आपसी व्यापार 150 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसा 6 दशक बाद हुआ है कि भारत में लगातार तीसरी बार एक ही सरकार चुनी गई है। पिछले 10 सालों में डिजिटल क्रांति आई है। दुनिया में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई की चर्चा है। साइप्रस को इसमें शामिल करने के लिए बातचीत चल रही है और मैं इसका स्वागत करता हूं। हम भारत में भविष्य के बुनियादी ढांचे के विकास में सालाना 100 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर रहे हैं। इनोवेशन भारत की आर्थिक ताकत का एक मज़बूत स्तंभ बन गया है। हमारे 1 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप सिर्फ सपने नहीं, समाधान बेचते हैं।मोदी साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले 1983 में इंदिरा गांधी और 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस देश का दौरा किया था। भारत और साइप्रस के कूटनीतिक रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन इतने उच्चस्तरीय दौरे बहुत कम हुए हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2018 में और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में साइप्रस का दौरा किया था।साइप्रस भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट के जरिए भारत से यूरोप तक ऊर्जा और व्यापारिक रिश्ते मजबूत होंगे। इसमें यूएई, सऊदी अरब, इजराइल और यूरोपीय संघ के देश शामिल हैं। अमेरिका ने भी इस पहल को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के जवाब में समर्थन दिया है। वहीं, साइप्रस और ग्रीस ने मिलकर इस साल 'ग्रीस-इंडिया बिजनेस काउंसिल' की शुरुआत की है। तुर्किये और साइप्रस के बीच 1974 से विवाद चल रहा है। तुर्किये ने 1974 में साइप्रस के एक भाग पर अवैध कब्जा करके नॉर्थ साइप्रस नाम दिया था। वह लगातार पाकिस्तान के साथ मिलकर 'नॉर्थ साइप्रस' को मान्यता दिलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने भी हाल ही में कश्मीर के मुद्दे पर 'नॉर्थ साइप्रस' का जिक्र किया, जिससे साइप्रस सरकार नाराज है। तुर्किये ने हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय पाकिस्तान का समर्थन किया था। मोदी का दौरा इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।साइप्रस 2026 में यूरोपीय यूनियन की परिषद की अध्यक्षता करने वाला है। साइप्रस ने कश्मीर मुद्दे पर हमेशा भारत का समर्थन किया है और पीओके से आने वाले आतंकवाद के खिलाफ भी ईयु भारत के पक्ष में बात उठाने का वादा किया है। वहीं, भारत ने साइप्रस को 1960 में स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद मान्यता दी थी। 1962 में राजनयिक रिश्ते बने।साइप्रस भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता, न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी सदस्यता के लिए खुलकर समर्थन करता आया है।वहीं, भारत ने हमेशा अलग-अलग इंटरनेशनल मंचों पर साइप्रस की संप्रभुता और तुर्किये के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र के पुनर्मिलन का समर्थन किया है। भारतीय जनरल केएस थिम्मैया, पीएस ग्यानी और डीपी चंद ऊ-शांति मिशन में कमांडर रहे। जनरल थिम्मैया का 1965 में साइप्रस में निधन हुआ था, उन्हें वहां बड़े सम्मान से याद किया जाता है।

मध्यप्रदेश में बड़वानी से मानसून की एंट्री, कुछ दिन की चाबुक और, प्रयागराज उगल रहा ताप

एमपी-राजस्थान, बिहार 1 दिन लेट हो गया। पिछली बार भीषण गर्मी के बीच बारिश का

समेत 16 राज्यों आज भारी बारिश का अलर्ट है। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सोमवार को मध्यप्रदेश में दस्तक दे दी। मानसून बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते प्रदेश में पहुंचा। इस बार मानसून यह 21 जून को आया था।मौसम विभाग ने आज राजस्थान के 11 जिलों और महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे और पालघर में भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए ऑरेंज अलर्ट और रायगढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। यूपी में दौर शुरू हो गया है। आज 62 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 18 जून को गोरखपुर के रास्ते राज्य में मानसून की एंट्री होगी।केरल में बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए मलप्पुरम, कन्नूर, कासरगोड, वायनाड और त्रिशूर में सोमवार को स्कूल कॉलेज में छुट्टी की गई है। कर्नाटक में भी बारिश का रेड अलर्ट है, इसके चलते उडुपी और दक्षिण कन्नड़ के सभी स्कूलों में छुट्टी है।17 जूनः तमिलनाडु, पुडुचेरी, विदर्भ, पूर्वी मध्यप्रदेश, गुजरात सौराष्ट्र, बिहार, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। ओडिशा, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जूनः गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

जनगणना का नोटिफिकेशन जारीःपहला फेज अक्टूबर-2026 से चार राज्यों में,बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से

नयी दिल्ली। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जनगणना के लिए

नोटिफिकेशन जारी कर दी है। केंद्र सरकार दो फेज में जातीय कराएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल एससी कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।जनगणना एक्ट 1948 में एससी-एसटी की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, 1,270 एससी, 748 एसटी जातियां हैं। 2011 में एससी आबादी 16.6फीसदी और एसटी 8.6फीसदी थी।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2023 में सबसे पहले जाति जनगणना की मांग की थी। इसके बाद वे देश-विदेश की कई सभाओं और फोरम पर केंद्र से जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, '1947 से जाति जनगणना नहीं की गई। कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया। 2010 में दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने जाति का सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला नहीं किया। 80 के दशक में जातियों पर आधारित कई क्षेत्रीय पार्टियां उभरीं। इन पार्टियों ने सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में आरक्षण दिए जाने को लेकर अभियान चलाया। इसी दौरान जातियों की संख्या के आधार पर आरक्षण की मांग सबसे पहले यूपी में बसपा नेता कांशीराम ने की। भारत सरकार ने साल 1979 में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के मसले पर मंडल कमीशन का गठन किया। मंडल कमीशन ने ओबीसी के लोगों को आरक्षण देने की सिफारिश की। इस सिफारिश को 1990 में उस वक्त के प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने लागू किया। इसके बाद देशभर में सामान्य श्रेणी के छात्रों ने उग्र विरोध प्रदर्शन किए। साल 2010 में लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे ओबीसी नेताओं ने मनमोहन सरकार पर जातिगत जनगणना कराने का दबाव बनाया। इसके साथ ही पिछड़ी जाति के कांग्रेस नेता भी ऐसा चाहते थे। मनमोहन सरकार ने 2011 में सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना यानी एसईसीसी कराने का फैसला किया। इसके लिए 4 हजार 389 करोड़ रुपए का बजट पास हुआ। 2013 में यो जनगणना पूरी हुई, लेकिन इसमें जातियों का डेटा आज तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

एअर इंडिया का विमान हॉन्गकॉन्ग लौटा,तकनीकी खराबी बताई गई, कल भी दो एयरलाइंस की उड़ानें लौटी थीं; तीनों बोइंग ड्रीमलाइनर

नयी दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग से फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट

दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट सोमवार को वापस लौट गई। इसमें तकनीकी खराबी की बात सामने आई है। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की थी। वहीं, रविवार को भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन भी बीच रास्ते से लौट गए थे। इनमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके चलते प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा। अहमदाबाद में 12 जून बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दो मिनट में क्रैश हो गया था। इसमें पायलट-क्रू समेत 242 लोगों में से 241 की जान चली गई थी। हादसे में सिर्फ एक पैसेंजर बचा।लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट ?बीए35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। ब्रिटिश एयरवेज ने फ्लाइट का टेकऑफ टाइम, पैसेंजर और क्रू की संख्या और लैंडिंग से पहले विमान के हवा में रहने का समय नहीं बताया है। हालांकि, लाइव Flightradar24.com के अनुसार ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 को रविवार दोपहर 12:40 बजे रवाना होकर सोमवार सुबह 3.30 बजे चेन्नई पहुंचना था। फ्लाइट ने दोपहर 1.16 बजे टेकऑफ किया और एयरपोर्ट लौटने से पहले करीब दो घंटे तक हवा में रही।जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच752 को रविवार शाम उड़ान के बाद वापस फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट लौटना पड़ा। यह फ्लाइट सोमवार (16 जून) सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर लैंड करने वाली थी। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने एएनआई को बताया, 'हमें हैदराबाद में लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा।' वहीं हैदराबाद एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि 15 जून की शाम 6:01 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को एक बम धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी बनाई गई और सभी सुरक्षा प्रक्रिया एसओपी के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने बताया, 'यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को सलाह दी गई कि फ्लाइट को या तो वापस जर्मनी भेज दिया जाए या नजदीकी सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा जाए। इसके बाद फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट वापस लौटा दिया गया।'

हरदोई की 'रिवॉल्वर रानी,सीएनजी भरवाते समय कार से उतरने को कहा तो भड़की युवती,पंप कर्मचारी पर तान दी पिस्टल

हरदोई।हरदोई में शाहाबाद बेटी अरीबा खान ने कार में रखी

नगर के मोहल्ला गिगीयानी निवासी एहसान खान अपने परिवार के साथ कर से जा रहे थे। रविवार रात बिलग्राम नगर में स्थित एक पंप पर वह कार में सीएनजी डलवाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पंप के कर्मचारी रजनीश ने सभी सवारियों को कार से उतरने के लिए कहा। इसको लेकर एहसान खान और रजनीश के बीच विवाद हो गया।इसी दौरान एहसान की पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाल ली और रजनीश के सीने पर अड़ा दी। आसपास मौजूद लोगों ने मामला शांत कराया। जानकारी पर पहुंची पुलिस में रजनीश से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की है। लाइसेंसी रिवॉल्वर और 25 कारतूस पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह ने बताया की कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में दूल्हे की हत्या, शादी से एक दिन पहले अपहरण कर मारा,प्रेमी संग मिल होने वाली दुल्हन ने कराया मर्डर!

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर

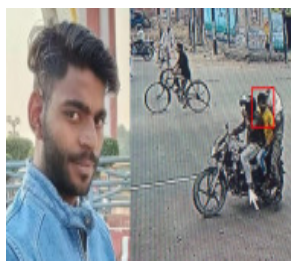

जिले में शादी से एक दिन पहले युवक की अपहरण कर हत्या का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप परिजन ने होने वाली दुल्हन और उसके प्रेमी पर लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। रामपुर में शादी से एक दिन पहले खुद को दुल्हन का चचेरा भाई बताकर दूल्हे के घर पहुंचे दो बाइक सवारों ने दूल्हे का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को अजीमनगर इलाके के जंगल में फेंक दिया गया।परिजनों ने इस मामले में दुल्हन के साथ ही उसके एक प्रेमी और अन्य साथी पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके आधार पर ही पुलिस ने दूल्हे का शव भी बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या का यह मामला गंज थाना इलाके से जुड़ा हुआ है। क्षेत्र के मोहल्ला गूजर टोला स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल (35) पुत्र मुशर्रत अली का विवाह भोट थाना इलाके के धनुपुरा गांव निवासी एक युवती से तय हुआ था। निहाल की रविवार को धनुपुरा बरात जानी थी, परिवार के लोगों की माने तो 14 जून को दोपहर के वक्त वैवाहिक कार्यक्रमों के बीच निहाल के पास एक फोन आया, फोन करने वाले युवक ने खुद को उसका चचेरा साला बताते हुए नए कपड़ों का साइज दिलाने की बात कहकर घर से बाहर बुला लिया।

वजन इतना कि चलने फिरने के लिए हो गई लाचार,मोटापे ने दिया इतना दर्द, फंदे पर लटक कर दे दी जान

मैनपुरी। किशनी थाना क्षेत्र और लगातार उनका वजन बढ़ रहा

के गांव जवापुर की रहने वाली 45 वर्षीय शकुंतला देवी थाइरायड बीमारी से ग्रसित थीं। उनका वजन लगातार बढ़ रहा था। जिस कारण से चलने फिरने में भी परेशानी होती थी। परेशान होकर रविवार की रात महिला ने फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार को किशनी पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया।थाना क्षेत्र के गांव जवापुर के रहने वाले राधाकृष्ण अहमदाबाद में रह कर नौकरी करते हैं। उनका पुत्र भी बाहर नौकरी करता है। बहू गांव में अपनी सास शकुंतला देवी के साथ रह रही थी। शकुंतला देवी थाइरायड की बीमारी से ग्रस्त थीं था। जिस वजह से उन्हें चलने फिरने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। थाइरायड का इलाज भी चल रहा था।रविवार की रात बीमारी से परेशान होकर शकुंतला देवी ने घर के कमरे में लगे कुंडे में फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार की सुबह बहू जब उनके कमरे में पहुंची तो शव फंदे पर लटका देख चीख निकल गई। घर से शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाने के बाद मोर्चरी भिजवाया। महिला की मौत के बाद घर में मातम छाया हुआ है।

इस्लाम के दुश्मन हैं अमेरिका और इस्राइल,डोनाल्ड ट्रंप को बताया नासमझ-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम

जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि इस्राइल द्वारा फलस्तीन के शहर गाजा में कत्लेआम पर पूरी दुनिया खामोश तमाशाई बनी है, जहां लाखों बच्चों और औरतों को इस्राइल कत्ल कर चुका है। ऐसा तो हिटलर ने भी नहीं किया था। अगर आज हिटलर जिंदा होता और इस्राइल का जुल्म देखता तो वो भी शर्मिंदा हो जाता। अफसोस की बात तो ये है कि मानवता की दुहाई देने वाले देश तमाशा देख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अरबलीग और ओआईसी जो इंटरनेशनल कानून की रखवाली करते हैं वो भी तमाशा देख रहे हैं। अरब दुनिया भी अपनी बेबसी का इजहार कर रही है।मौलाना ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल दोनों देश इस्लाम के दुश्मन हैं। इस्लाम का वजूद इन दोनों देशों की नजर में खटकटा रहा है। अमेरिका हमेशा इस्राइल का समर्थन करता रहा है। अगर अमेरिका इस्राइल को संरक्षण और हथियार सप्लाई करना बंद कर दें तो इस्राइल अरब देशों और फलस्तीन पर जुल्म व अत्याचार करने की हिम्मत नहीं जुटा

मिथुन चक्रवर्ती 75के, सांवले रंग पर मिले ताने,पहली शादी 4 महीने चली कूड़ेदान में मिली बच्ची को गोद लिया, मंदाकिनी के कारण दाऊद से मिलीं धमकियां

नयी दिल्ली। बॉलीवुड के डिस्को डांसर और 'दादा' के नाम से मशहूर

मिथुन चक्रवर्ती का फिल्मी सफर पांच दशक से भी लंबा रहा है। मिथुन चक्रवर्ती ने 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। मिथुन सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और राजनेता भी रहे हैं। उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड, फिल्मफेयर, पद्म भूषण और सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया है।मिथुन चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। 16 जून 1950 को कोलकाता में जन्मे मिथुन दो भाइयों में छोटे थे। जवानी के दिनों में उनका झुकाव नक्सली विचारधारा की ओर हो गया था। उस समय बंगाल में नक्सल मूवमेंट तेजी पर था। कुछ लोगों की संगत में आकर मिथुन ने अपना परिवार छोड़ दिया और नक्सल ग्रुप से जुड़ गए।जब पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की, तो मिथुन को भी अपने साथियों के साथ अंडरग्राउंड होना पड़ा। वो कई महीनों तक छिपते रहे।इसी दौरान मिथुन के बड़े भाई की करंट लगने से मौत हो गई। घर के हालात खराब हो गए थे। परिवार अकेला पड़ गया। मिथुन ने अपने परिवार के लिए नक्सलवाद से नाता तोड़ लिया और वापस लौट आए। उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली।घर लौटने के बाद मिथुन ने एक्टिंग में करियर बनाने के बारे में सोचा। इसके लिए वो पुणे के भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान पहुंचे। एक्टिंग की पढ़ाई पूरी हुई और काम के लिए उन्होंने मुंबई का रुख किया। यहां स्टूडियो के चक्कर काटे, लेकिन हर जगह निराशा ही हाथ लगी। हालात इतने खराब हो गए कि उन्हें कई बार भूखे पेट फुटपाथ पर सोना पड़ा।इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में मिथुन ने कहा था, 'मैंने ऐसे दिन भी गुजारे हैं, जब मुझे भूखे पेट फुटपाथ पर सोना पड़ता था। मेरी रोते-रोते आंख लग जाती थी। कई बार तो मैं सोचता था कि अगले दिन खाना मिलेगा या नहीं। अगले दिन सोने का ठिकाना कहां होगा। मैं कई दिनों तक फुटपाथ पर सोया हूं।'कई महीनों तक फिल्म स्टूडियो के चक्कर काटते हुए मिथुन को हीरो का तो नहीं, लेकिन उस जमाने की मशहूर एक्ट्रेस हेलन का असिस्टेंट बनने का मौका मिला। उन्होंने असिस्टेंट बनने के बाद अपना नाम मिथुन से रेज रख लिया।हेलन को असिस्ट करते हुए मिथुन का उनकी फिल्मों के सेट पर आना-जाना होता था। लोग जानने लगे थे कि मिथुन भी एक्टिंग सीख चुके हैं, ऐसे में उन्हें कुछ फिल्मों में छोटा-मोटा रोल दे दिया जाता था। इनमें फिल्म दो अनजाने भी शामिल है। कुछ एक फिल्मों में मिथुन ने हीरो का बॉडी डबल बनकर भी काम किया।मिथुन चक्रवर्ती ने नवंबर 2022 में शो 'सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स' के एपिसोड 9 में कहा था, 'मैं कभी नहीं चाहता कि कोई और वो सब झेले जो मैंने अपनी जिंदगी में झेला है। हर किसी ने संघर्ष किया है और मुश्किल दिन देखे हैं,लेकिन मुझे तो हमेशा मेरी स्किन के रंग को लेकर ताना मारा गया। सालों तक मुझे मेरे रंग की वजह से नीचा दिखाया गया।'मृणाल सेन की फिल्म 'मृगया' से मिथुन हिंदी फिल्मों में आए। पहली ही फिल्म के लिए इन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। फिर 1978 में फिल्म रक्षक और 1979 में आई फिल्म सुरक्षा से मिथुन को स्टारडम मिल गया।मिथुन चक्रवर्ती ने 1979 में हेलना ल्यूक से शादी की थी। ये शादी महज 4 महीने तक ही टिक सकी।पहली पत्नी को छोड़ने के बाद मिथुन ने उसी साल योगिता बाली से शादी कर ली। इनके तीन बेटे मिमोह, नमाशी, उशमेह हैं।मिथुन ने कचरे के ढेर में मिली एक बच्ची को भी गोद लिया है, जिसे उन्होंने दिशानी नाम दिया है। दिशानी ने दो शॉर्ट फिल्में 'होली स्मोक!' और 'अंडरपास' में अभिनय किया और वो हॉलीवुड की एक शॉर्ट फिल्म 'द गेस्ट' में भी दिखाई दीं।टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1980 के

दशक में मिथुन और मंदाकिनी की ऑनस्क्रीन जोड़ी काफी पसंद की जाती थी। इसी दौरान अफवाहें उड़ीं कि दोनों के बीच निजी रिश्ता है। ये खबरें दाऊद इब्राहिम तक पहुंचीं, जो मंदाकिनी के करीब बताया जाता था। दाऊद ने मिथुन को धमकी दिलवाई। लगातार फोन कॉल और जान से मारने की चेतावनी मिलने लगी।टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती के घर में करीब 38 कुत्ते हैं। वहीं ऊटी स्थित उनके घर में 78 कुत्ते हैं।इंडिया टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऊटी के सबसे नामी होटल में से एक मोनार्क, मिथुन चक्रवर्ती का है। वहीं मसिनागुड़ी में इनके 16 बंगले और कॉटेज हैं। मैसूर में भी इनके 18 कॉटेज हैं और कई रेस्टोरेंट हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर चुप्पी पर बोले आमिर खान,कहा- दिल को दर्द पहुंचा, मैं डिप्रेशन में था, कई दिनों तक घर से नहीं निकला

नयी दिल्ली। 22 अप्रैल को हुए

पहलगाम आतंकी हमले पर कई बड़े सेलेब्स की चुप्पी पर सवाल उठ रहे थे। हाल ही में जब आमिर खान से उनकी चुप्पी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वो आतंकी हमले के बाद डिप्रेशन में थे और कई दिनों तक घर से नहीं निकले थे। एक्टर ने ये भी बताया कि आतंकी हमला होने के बाद उन्होंने सितारे जमीन पर का ट्रेलर रोक दिया था और अंदाज अपना-अपना का प्रीमियर कैंसिल कर दिया था। आप की अदालत में आमिर खान ने कहा है, 'ये जो हादसा हुआ है, ये जो अटैक हुआ है, आतंकवादी हमला हुआ है हमारे देश में, हमारे लोगों पर, ये घिनौना एक्ट है। उनकी कायरता देखिए, जो बुजदिल लोग हैं, वही ऐसा करते हैं। आतंकवादी हमारे देश में घुसकर लोगों पर गोलियां चला रहे हैं, परिवार के लोगों पर गोली चला रहे हैं। वहां मैं भी हो सकता था, आप भी हो सकते थे। वहां पर लोगों का मजहब पूछकर गोलियां चला रहे हैं, इसका क्या मतलब है।' आगे आमिर ने कहा, 'इस पर मैंने बोला भी है, मैं सोशल मीडिया पर नहीं हूं। जैसे चीजें होती हैं, लोग एक-एक सेकेंड में बोलते हैं। मैं सोशल मीडिया पर हूं नहीं। मैंने इस बारे में बात भी की। मैं फंक्शन में गया था, मुझसे पूछा गया था। ये हमला हमारे देश पर ही नहीं हमारी एकता पर भी हमला है। ये बहुत ही घिनौना काम किया है उन लोगों ने, जिसके लिए उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिल चुका है। होता ये है कि कुछ लोग कुछ ज्यादा ही मुझे चाहते हैं, तो ये सब बोलने लगते हैं।'बातचीत में रजत शर्मा ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया, तब आपका बयान आया, तो लोगों ने कहा कि जरूर इनकी कोई फिल्म आने वाली होगी। इस पर आमिर खान ने कहा, 'जो हमारे वीरों ने जो हमारे जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया है, उसके लिए मैं बोलूं तो क्या मैं कुछ गलत कर रहा हूं। उस वक्त मैं फिल्म के बारे में सोचूं या जवानों के बारे में सोचूं। उस वक्त अगर मैं ये सोचूं कि फिल्म आ रही है तो चुप हो जाऊं, ये तो मुझे गलत लगता है।'आगे आमिर से बयान के 10 दिन बाद फिल्म सितारे जमीन पर का ट्रेलर रिलीज करने पर सवाल किया गया, जिस पर उन्होंने कहा है, 'हमारी फिल्म का ट्रेलर तो बहुत पहले आना था। हमारे देश में हमला हुआ था, तो मैंने फौरन सब कैंसिल किया। उस दिन अंदाज अपना-अपना का प्रीमियर भी होना था, लेकिन मैंने कैंसिल कर दिया। जैसे हर हिंदुस्तानी के दिल में गुस्सा था, हमारे दिल को दर्द पहुंचा था, वही जज्बात मेरे अंदर भी थे। बल्कि मैं तो कई दिनों तक डिप्रेशन में था, घर से नहीं निकला था।'

साउथ एक्ट्रेस मालविका ने मुंबई को बताया असुरक्षित,मुंबई पुलिस ने जवाब में कहा- समझ सकते हैं, ऐसे अनुभव चौंकाने और लंबा असर छोड़ने वाले होते हैं

नयी दिल्ली। साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने कुछ समय आपने अपना अनुभव शेयर कर, शहर में महिला सुरक्षा पर चिंता

पहले ही मुंबई में महिला सुरक्षा पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कॉलेज के दिनों में वो लोकल से सफर करती थीं, तब सुरक्षा महज किस्मत की बात हुआ करती थी। मालविका का बयान सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने इस खेद व्यक्त करते हुए पर प्रतिक्रिया दी है।मालविका ने कुछ समय पहले ही हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में कहा था, आज मेरे पास कार और ड्राइवर है, ऐसे में अगर कोई मुझसे पूछे कि क्या मुंबई सेफ है, तो मैं शायद हां कहूं, लेकिन जब मैं कॉलेज में थी, तब मेरा मानना बिल्कुल अलग था। मैं लोकल ट्रेन और पब्लिक बस में सफर करती थी। उस समय मुझे ये सुरक्षित नहीं लगता था। ये बस किस्मत की बात हुआ करती थी। आपको बस उम्मीद करनी पड़ती थी कि आपका सफर बिना किसी घटना के कट जाए।मालविका का बयान आने के बाद मुंबई पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसका जवाब दिया है। पोस्ट में लिखा गया है, मिस मालविका, हमारे सामने वो ऑनलाइन पोर्टल आया है, जहां जाहिर की। हम सोच सकते हैं कि इस तरह के एक्सपीरियंस चौंकाने वाले होते हैं और लंबा असर छोड़ते हैं। इसलिए हमें ये दोहराना चाहिए कि दिन का कोई भी समय हो या शहर में कोई भी जगह हो, प्लीज 112/100 पर हमसे संपर्क करें और हम जल्द से जल्द सहायता देंगे। रिपोर्ट न करने से अपराधी का हौसला बढ़ता है।आगे लिखा है, मुंबई शहर हमेशा से महिलाओं के लिए सुरक्षित रहा है और हम इसे बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। रिपोर्ट किए जाने के बाद अपराधी से उचित और कानूनी तरीके से निपटा जाएगा। कृपया इस बात को लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी अच्छी छवि का उपयोग करें। ये इस तरह के मामलों को हल करने में मदद कर सकता है, जो असामान्य हैं और जिन्हें सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है।बताते चलें कि मालविका मोहनन साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस हैं। वो मास्टर, युद्रा जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रही हैं। जल्द ही वो प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आएंगी।

'डॉन 3' में कियारा को रिप्लेस करेंगी कृति सेनन! पैपराजी के सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

नयी दिल्ली। कृति सेनन कृति ने कोई जवाब तो नहीं

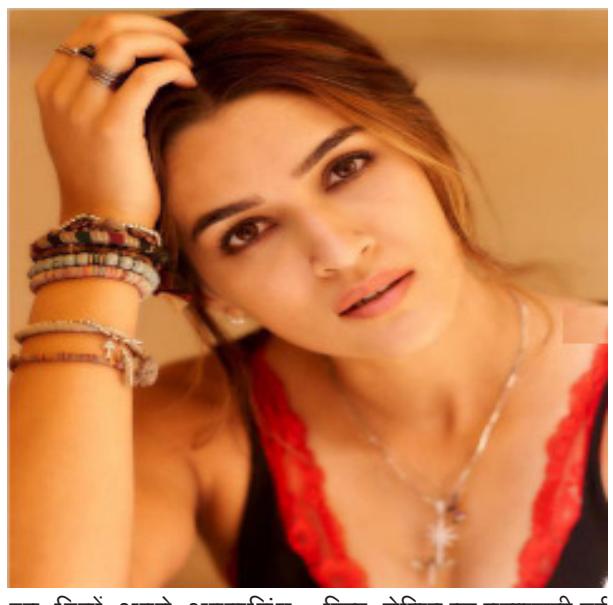

इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस फिल्म डॉन 3 में नजर आ सकती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जब पैपराजी ने कृति को लेडी डॉन कहकर बुलाया, तो वह मुस्कुरा दीं। इसके बाद से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि कियारा आडवाणी की जगह अब कृति सेनन फिल्म में नजर आ सकती हैं।वीडियो में देखा जा सकता है कि कृति सेनन मुंबई में किसी इवेंट में शिरकत करने पहुंची थीं। जैसे ही वह बाहर आईं, पैपराजी ने उन्हें पोज देने के लिए कहा। इसी दौरान पहले उन्हें परम सुंदरी कहकर पुकारा गया और फिर डॉन-डॉन की आवाजें आने लगीं। इतना ही नहीं, एक फोटोग्राफर ने उन्हें लेडी डॉन भी कह दिया। यह सुनते ही दिया, लेकिन वह मुस्कुराती हुई नजर आईं।पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन ने फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने के लिए हामी भर दी है। अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन जल्दी ही कर सकती हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि डायरेक्टर फरहान अख्तर और उनकी टीम को ऐसी एक्ट्रेस चाहिए थी जो अच्छी एक्टिंग करे और जिसका स्क्रीन पर दमदार असर हो और कृति इस रोल के लिए एकदम सही लगीं। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।बता दें, डॉन 3 फिल्म में रणवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म में पहले उनके अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आने वाली थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी की वजह से उन्होंने यह मूवी छोड़ दी है। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

उर्फी जावेद ने अपूर्वा मखीजा को दी गालियां:द ट्रेटर में ऑफ कैमरा कहा था- तुम्हारी औकात नहीं है मुझसे बात करने की, करण जौहर हैं होस्ट

नयी दिल्ली। इंडियाज गॉट लेटेंट से चर्चा में आईं वीडियो में बताया है कि टास्क खत्म होने के बाद सारे कैमरे

इन्फ्लूएंसर अपूर्वा मखीजा, करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही हैं। हाल ही में अपूर्वा ने बताया है कि शो में उनका उर्फी जावेद से जोरदार झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उर्फी ने ऑफ-कैमरा उनके लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है।

अपूर्वा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया है कि शो के एक एपिसोड में उनका ब्रेकडाउन हुआ था। दरअसल, शो में आने से पहले उनका मां से झगड़ा हो गया था। उनकी बातचीत बंद थी, तभी वो शो में आ गईं। उन्हें शो के मेकर्स की तरफ से कहा गया था कि वो परिवार से 3 बार कॉल पर बात कर सकती हैं। जब उन्होंने मां को कॉल करने के लिए कहा, तो मेकर्स ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट में ऐसा कुछ नहीं है। वो इस बात से परेशान होकर रो रही थीं, तभी उर्फी जावेद बार-बार आकर उनसे रोने की वजह पूछने लगीं। इस समय जन्नत जुबैर ने उर्फी को समझाया कि वो कुछ देर के लिए अपूर्वा को अकेला छोड़ दें, लेकिन इसके बावजूद भी जब उर्फी बार-बार सवाल करने लगीं तो अपूर्वा भड़क गईं।अपूर्वा ने अपने बंद हो चुके थे। जब उर्फी ने उनसे पूछा कि मुझे क्यों नहीं बता रही हो, तो अपूर्वा ने कहा कि मुझे अकेले छोड़ दो। हर बात आपके बारे में नहीं होती।

अपूर्वा ने कहा, उस समय मुझे गुस्सा नहीं आ रहा था, क्योंकि उस समय मेरी प्रॉब्लम अलग थी। मेरी प्रॉब्लम मेरी मम्मी थीं। तो मुझे उस वक्त फर्क नहीं पड़ रहा था कि उर्फी जावेद को मैं पसंद नहीं हूं तो। जब हम पैलेस वापस आए, तो शो में नहीं दिखाया होगा, लेकिन ये शो में हुआ। उर्फी ने मुझे गाली देकर बुलाया। मैंने जवाब में कहा, उर्फी आराम से। मैंने बस इतना ही कहा। उसने कहा, तुम्हें पता नहीं है तुम किससे बात कर रही हो। मैं तुम्हारे लेवल पर हूं क्या जो तुम ऐसे बात कर रही हो। तुम्हारी औकात नहीं है मुझसे ऐसे बात करने की।अपूर्वा ने आगे बताया है कि वो उनके चेहरे पर आकर चिल्ला रही थीं। इसके बाद वो रो पड़ीं।बताते चलें कि 12 जून से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो रहे इस शो में अपूर्वा मखीजा, उर्फी जावेद, जन्नत जुबैर, रफ्तार, सुधांशु पांडे, महीप कपूर, अंशुला कपूर, पूरव झा समेत कई लोग पार्टिसिपेंट हैं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद लापता हुए फिल्ममेकर:जहां क्रैश हुआ, आखिरी लोकेशन वहां से 700 मीटर दूर थी, मृतकों से मैच किया जाएगा डीएनए

नयी दिल्ली। 12 जून को बजकर 40 मिनट पर बंद

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के बाद से ही फिल्ममेकर महेश जीरावाला लापता हैं। जांच में सामने आया है कि महेश की आखिरी लोकेशन उस जगह से महज 700 मीटर दूर थी, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। क्रैश के बाद से ही उनका नंबर बंद है। पुलिस लगातार महेश की जांच में जुटी हुई है। वहीं उनके डीएनए सैंपल भी टीम को सौंपे गए हैं, जिन्हें हादसे की जगह से मिली लाशों से मैच किया जाएगा। पीटीआई से बातचीत में महेश की पत्नी हेतल ने बताया है कि वो 12 जून को अहमदाबाद के लॉ गार्डन गए थे। वहां उनकी एक मीटिंग थी। दोपहर 1 बजकर 14 मिनट पर उन्होंने पत्नी को कॉल कर बताया था कि मीटिंग खत्म हो चुकी है और वो घर लौट रहे हैं। कुछ देर बाद जब वो नहीं लौटे तो पत्नी ने उन्हें कॉल किया, लेकिन उनका नंबर बंद था।कई घंटों तक जब महेश से संपर्क नहीं हुआ और वो घर नहीं लौटे, तो हेतल ने पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई। जांच में सामने आया कि महेश का मोबाइल ठीक 1 हुआ था, जिस समय प्लेन क्रैश हुआ। उनकी गाड़ी भी कहीं बरामद नहीं हुई है।हेतल ने ये भी बताया है कि वो आमतौर पर उस रास्ते से नहीं आते थे, जहां हादसा हुआ है, लेकिन उस रोज उनकी आखिरी लोकेशन प्लेन क्रैश की जगह से महज 700 मीटर दूर थी। घटनास्थल पर कई गाड़ियां जलकर राख हो गई थीं और कई लोग इतनी बुरी तरह झुलस गए कि उनकी पहचान करना भी मुश्किल है। ऐसे में परिवार को शंका है कि कहीं महेश भी हादसे की चपेट में न आ गए हों।अब परिवार ने महेश का डीएनए सैंपल भेजा है। इसे घटनास्थल के आसपास मिले शवों से मैच किया जाएगा। बताते चलें कि 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन क्रैश में 241 पैसेंजर समेत करीब 275 लोग मारे गए। इनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल हैं। अब तक करीब 80 लोगों के डीएनए मैच हो चुके हैं, जिनको शव परिवारों को सौंपे जा रहे हैं। बताते चलें कि महेश जीरावाला, म्यूजिक वीडियोज के डायरेक्टर हैं।

'ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा', रवीना ने प्लेन क्रैश के बाद भरी उड़ान; हादसे को लेकर लिखा नोट

नयी दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन कीं। रवीना की ये सभी तस्वीरें प्लेन

क्रैश के हादसे को कोई नहीं भुला सकता। ऐसा मंजर किसी की भी नींद उठा दें। इसी हादसे को लेकर रवीना ने एक पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर दुख जताया और साथ ही नई शुरुआत को लेकर उड़ान भरी।रवीना ने इंस्टाग्राम पर फ्लाइट से अपनी कई तस्वीरें शेयर के अंदर से खिंचीं गई हैं। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में नई शुरुआत के बारे में जिक्र करते हुए लिखा, 'नई शुरुआत... सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उठना और उड़ान भरना... सब कुछ फिर से शुरू करना, अधिक शक्ति की ओर नया संकल्प। माहौल गंभीर था और चालक दल के सदस्यों की मुस्कान दुख से रंगी हुई थी। मौन यात्री और चालक दल के सदस्य मौन संवेदना और सूक्ष्म आत्मविश्वास के साथ जुड़े हुए थे।रवीना ने आगे अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर कैप्शन में लिखा, 'उन परिवारों के प्रति संवेदना, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा। भगवान हमेशा आपकी मदद करें निडरता और दृढ़ इच्छाशक्ति, फिर से मजबूत बनने की। जय हिंद।'रवीना टंडन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। 'वेलकम टू द जंगल' एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट में रवीना टंडन के अलावा अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, दिशा पाटनी, लारा दत्ता के अलावा और भी कई सितारे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मीट ब्रदर्स ने तैयार किया है। फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, फिरोज ए. नाडियाडवाला ने जियो स्टूडियो के बैनर तले किया गया है।

मूसलाधार बारिश में फैंस का जुनून देख हैरान हुए बिग बी, बोले- लाख मना करने पर भी वो अड़े रहे

नयी दिल्ली। प्रत्येक रविवार

अमिताभ बच्चन अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए घर के बाहर आते हैं। बीते रविवार के नजारे ने अभिनेता को हैरान कर दिया, क्योंकि खतरनाक बारिश के बावजूद फैंस उनका इंतजार कर रहे थे। हालांकि, बिग बी ने उन्हें निराश नहीं किया और वो मिलने आए। फैंस के जुनून देख वो स्तब्ध रह गए और उन्होंने अब इस पर प्रतिक्रिया भी दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सोमवार देर रात अपने ब्लॉग में कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए नोट भी लिखा। साझा की गई तस्वीरों में दिख रहा कि अभिनेता के फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब हैं, जिसके आगे बारिश भी बौनी साबित हो रही है। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'मूसलाधार बारिश, लेकिन वे खड़े रहे अड़े रहे। इस स्नेह का मेरे पास कोई उत्तर नहीं, न कोई शब्द बस ईश्वर की कृपा बनी रहे। मुझ पर नहीं उनपर जिनका स्नेह, कोई भी बारिश नहीं रोक सकती। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'बहुत कहा कि घर जाओ, पानी बरस रहा है, लेकिन नहीं वे खड़े रहे, अड़े रहे। मैं नतमस्तक हूं उनके सामने। अपने ब्लॉग में अभिनेता ने प्रशंसकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए लिखा, 'भारी बारिश हो रही थी और वे वहां अनुशासित सम्मान के साथ खड़े थे। नहीं, वे नहीं मैं उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त करता हूं।' उन्होंने कहा कि वो इस सम्मान और प्यार से अभिभूत हैं। अमिताभ बच्चन 82 वर्ष की आयु में भी इंडस्ट्री में बेहद सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने ब्लॉग में बताया कि सिर्फ दो घंटे में उन्होंने सात प्रोजेक्ट की शूटिंग खत्म की। इनमें दो फोटोशूट और पांच विज्ञापन की शूटिंग थी। बिग बी के वर्क फ्रंट की बात करें तो नितेश तिवारी की 'रामायण' में वे जटायु के रोल में नजर आएंगे।

प्रभास के 30 फीट ऊंचे कटआउट को दूध से नहलाया, टीजर लॉन्च पर फैंस का दिखा जोश

नयी दिल्ली।पैन-इंडिया फिल्म 'द

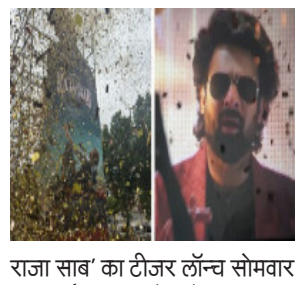

राजा साब' का टीजर लॉन्च सोमवार सुबह हैदराबाद के फेमस प्रसाद मल्टीप्लेक्स में बड़े ही धूमधाम से किया गया। दिलचस्प बात ये रही कि इस भव्य आयोजन में अभिनेता प्रभास खुद मौजूद नहीं थे, फिर भी उनके चाहने वालों की दीवानगी कम नहीं हुई। करीब 300 फैंस की भीड़ ने थिएटर के बाहर प्रभास के कटआउट को दूध से नहलाया, नारे लगाए और जमकर डांस किया।टीजर लॉन्च के मौके पर फैंस का कहना था कि अगर इस इवेंट में फ्री एंट्री होती, तो पूरे इलाके की सड़कें भर जातीं। एक फैन ने कहा, 'पास की वजह से भीड़ सीमित रही, वरना ये नजारा और भी बड़ा होता।' इवेंट की शुरुआत से पहले लगभग 30 फीट ऊंचा प्रभास का कटआउट लॉन्च किया गया, जो पूरे समारोह का केंद्र बना रहा।'द राजा साब' को लेकर प्रभास के फैंस बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि ये फिल्म उन्हें एक बार फिर प्रभास के चिर-परिचित चार्म और पुराने अंदाज की याद दिलाती है। लंबे समय से एक्शन रोल करते आ रहे प्रभास इस बार हॉरर-कॉमेडी में नजर आने वाले हैं, जो उनके फैंस के लिए एक नई लेकिन रोमांचक पेशकश है।फिल्म के टीजर में प्रभास एक बार फिर अपने शानदार एक्शन और अभिनय से फैंस का दिल जीतते हुए नजर आ रहे हैं। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में प्रभास लोगों को हंसाते हुए भी नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में डायलॉग्स भी लग रहे हैं।हालांकि उत्साह के इस माहौल में एक झटका भी देखने को मिला जब टीजर के कुछ हिस्से इंटरनेट पर लीक हो गए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।